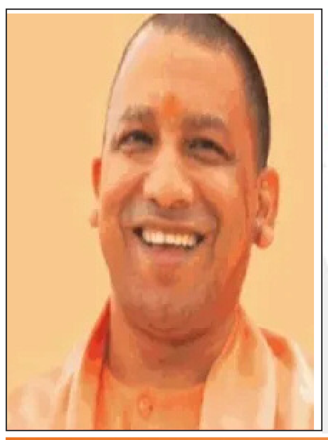

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 : 10 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण पेज: 3

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 158 | शनिवार 12 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पंजाब के स्कूलों पर केजरीवाल का सीजेपी को धन्यवाद, कहा- कमियों का तुरंत समाधान करेंगे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को उठाने के लिए 'कॉकरोच जनता पार्टी' का धन्यवाद किया है। सीजेपी के सौरव दास ने प्रेशर ग्रुप के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। एक्स पर एएपी नेता ने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी का धन्यवाद किया और कहा कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेगी और चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी की टीम ने पंजाब के लुधियाना में स्कूलों का दौरा किया। पर जानकारी देते हुए दास ने बताया कि राज्य के स्कूल ऑफ एमिनेंस (बेहतरीन स्कूल) का रखरखाव तो अच्छा था

बीआरआईसी की सामूहिक ताकत को वैश्विक समाधानों में बदलना होगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए सदस्य देशों के बीच व्यापार बाधाओं को कम करने, स्टार्टअप्स को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार देने और कारोबारी साझेदारियों को बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स की सामूहिक ताकत को वैश्विक समाधान में बदलने और आर्थिक विकास को नई गति देने के लिए मिलकर ठोस कदम उठाने की जरूरत है। 20 साल में चार से 21 देशों का परिवार पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस वर्ष ब्रिक्स अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है। 2006 में जब समूह की शुरूआत हुई थी, तब इसमें चार देश थे, जबकि आज ब्रिक्स और ब्रिक्स साझेदारों को मिलाकर 21 देशों का

परिवार बन चुका है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50% आबादी, 40% जीडीपी और 25% से अधिक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था से तेज बढ़ी ब्रिक्स की ताकत प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में वैश्विक जीडीपी करीब ढाई गुना बढ़ी है, जबकि ब्रिक्स देशों की संयुक्त जीडीपी करीब साढ़े चार गुना हुई है। यह दिखाता है कि ब्रिक्स की आर्थिक ताकत दुनिया की तुलना में करीब दोगुनी रफ्तार से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देश वैश्विक नवाचार और समाधान के महत्वपूर्ण केंद्र भी बन रहे हैं। भारत की अध्यक्षता की थीम पर जोर पीएम मोदी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम ह्यबिल्डिंग फॉर रेजिलिएन्स, इनोवेशन, को-ऑपरेशन एंड सस्टेनिबिलिटीह्ण है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने इस मंत्र को अपनी आर्थिक और व्यापार नीति का आधार बनाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने ऊर्जा से लेकर टेक्नोलॉजी तक अपनी सप्लाई चेन को अधिक विविध और भरोसेमंद

दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार के लिए.......

पीएम मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से ब्रिक्स देशों के बीच शीर्ष 10 व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए रिपोर्ट तैयार करने का आग्रह किया। उन्होंने हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप्स को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार के लिए

बनाया है, जिसका परिणाम वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि और स्थिरता के रूप में सामने आया है। रणनीतिक क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित कर रहा भारत प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का तेजी से विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही शिप-बिल्डिंग, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, क्रिटिकल मिनरल्स और बायोटेक जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नई क्षमताएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने वैश्विक कारोबारियों से कहा, मेक इन इंडिया, इनोवेट विद इंडिया और स्केल फॉर द वर्ल्ड। दो लाख से अधिक स्टार्टअप का उल्लेख पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत में स्टार्टअप क्रांति हो रही है। दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ भारत वैश्विक समाधानों का केंद्र बन रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी झलक ब्रिक्स भारत इनोवेट्स एक्सपो में भी दिखाई देगी। एआई से ग्रीन हाइड्रोजन तक नवाचार प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय स्टार्टअप एआई के जरिए शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में बदलाव ला रहे हैं। इसके अलावा ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी के क्षेत्र में काम हो रहा है तथा रक्षा और अंतरिक्ष में भी नए आयाम तलाशे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब ब्रिक्स के माध्यम से इन विश्वस्तरीय नवाचारों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की जरूरत है। यूपीआई को बताया जनसंख्या स्तर पर नवाचार का उदाहरण पीएम मोदी ने भारत की नवाचार यात्रा की विशेषता के रूप में ह्यइनोवेशन एट पॉपुलेशन स्केलह्ण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने बड़े पैमाने पर वित्तीय समावेशन और डिजिटल लेनदेन को नई गति दी है। उन्होंने कहा कि

सीएम धामी का ऐलान, सेवा संकल्प अभियान के तहत उत्तराखंड में आयोजित होंगे 11 बड़े कार्यक्रम

उत्तराखंड: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू करने की घोषणा की। यह अभियान एक महीने तक चलेगा और 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक आयोजित किया जाएगा। सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, धामी ने बताया कि इस अभियान का मकसद सेवा, जन-भागीदारी, संवाद और इनोवेशन को बढ़ावा देना है, ताकि नागरिकों को 'विकसित भारत 2047' के विजन से जोड़ा जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस अभियान के दौरान राज्य भर में 11 बड़े कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिनमें छात्र, युवा, महिलाएं, लाभार्थी, माता-पिता, जन-प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन

और आम नागरिक शामिल होंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए राज्य सरकार के फैसलों और केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के असर को लाभार्थियों की निजी कहानियों के माध्यम से दिखाया जाएगा। इन गतिविधियों में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के तहत सरकारी योजना केंद्रों, छढऋवितरण केंद्रों, राशन की दुकानों, प्रमुख धार्मिक स्थलों और गंगा के किनारों पर सामूहिक रूप से दीप जलाने और सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह के कार्यक्रम नए मेडिकल कॉलेजों, बांधों, पुलों, अमृत सरोवरों और जन औषधि केंद्रों पर भी सामाजिक संगठनों की भागीदारी के साथ आयोजित किए जाएंगे।मेरे सपनों का भारत चित्र सेवा पहल के तहत, विकसित भारत के विजन और पिछले 25 सालों की उपलब्धियों पर आधारित पेंटिंग, निबंध और भाषण प्रतियोगिताएं शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित की जाएंगी। चुनी गई पेंटिंग्स को स्कूलों में प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे माता-पिता और नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। नमो सेवा अनकही कहानियां के तहत देश की उपलब्धियों को उजागर करने वाले स्कूल कार्यक्रमों को दिखाया जाएगा, जबकि आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम मां और बच्चे के स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण पर केंद्रित होगा, जिसमें आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों, माता-पिता, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकताओं को शामिल किया जाएगा।

टोल प्लाजा का नया नियम, मार्च 2027 तक लागू होगा बैरियर फ्री रूल; गडकरी ने बताया प्लान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर सफर करने वाले वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। भारत अब पूरी तरह से डिजिटल और बैरियर-फ्री टोलिंग प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। दरअसल, ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की कि यह नई एआई आधारित प्रणाली मार्च 2027 तक लागू होने की उम्मीद है, जिसके बाद गाड़ियों को टोल प्लाजा पर रुकना नहीं पड़ेगा। इससे सालाना टोल राजस्व में करीब 10,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी का अनुमान है। इसके साथ ही सरकार 'वन टैग' सुविधा भी शुरू करने जा रही है, जिससे वाहन चालक बिना नया फास्टैग खरीदे अपना बैंक अकाउंट आसानी से बदल सकेंगे। मार्च

2027 तक लागू होने की उम्मीद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को घोषणा की कि यह नई एआई-आधारित प्रणाली फरवरी-मार्च 2027 तक लागू होने की उम्मीद है। इसके चालू होने के बाद वाहन चालकों को टोल चौकियों पर बिना रुके सीधे गुजरने की सुविधा मिलेगी। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2026 को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा, "एआई और निर्बाध (सीमलेस) टोल प्रणाली के जरिए भारत टोल प्लाजा पर रुकने की पुरानी व्यवस्था को खत्म कर सीधे आगे बढ़ने की दिशा में काम कर रहा है। भविष्य का राजमार्ग इंटेलिजेंट, बाधा-रहित और पूरी तरह से कैशलेस होगा।" कैसे काम करेगी यह नई प्रणाली? यह नई व्यवस्था टोल वसूली के लिए स्वचालित वाहन नंबर प्लेट पहचान और फास्टैग को आपस में एकीकृत (इंटीग्रेट) करेगी। इससे टोल प्लाजा पर वाहनों का वेटिंग टाइम पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। 80 से 90 प्रतिशत तक घटना वेटिंग समय फास्टैग की सफलता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इसे 2014 में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया था और 2021 में अनिवार्य कर दिया गया। आज देश के 98% से अधिक वाहनों में फास्टैग का उपयोग हो रहा है और 13 करोड़ से अधिक टैग जारी किए जा चुके हैं। फास्टैग ने पहले के 12 से 30 मिनट के प्रतीक्षा समय को 80 से 90 प्रतिशत तक घटा दिया है। राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर फास्टैग का उपयोग अब 98 प्रतिशत से अधिक हो गया है।

यूपी की सड़कों पर सीएम योगी का एक्शन, सर्वे कर स्थायी मरम्मत के निर्देश जारी

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे भारी बारिश और बाढ़ से खराब हुई सड़कों की तुरंत मरम्मत कराएं ताकि उन पर गाड़ियां चल सकें, और जहां जरूरी हो, वहां मॉनसून के मौसम के बाद सड़कों की पक्की मरम्मत की जाए। 11 सितंबर को लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने लगातार हो रही बारिश का ज़िक्र किया और सड़कों की हालत पर लगातार नजर रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने हाल ही में खराब हुई सड़कों का सर्वे करने का आदेश दिया ताकि उन हिस्सों की पहचान की जा सके जहां तुरंत मरम्मत की जरूरत है। आने वाले त्योहारों के मौसम में बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की उम्मीद है, इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने इस बात पर जोर दिया कि मुख्य रास्तों पर कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे गणेश चतुर्थी, विश्वकर्मा पूजा,

नवरात्रि, दिवाली, छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा जैसे त्योहारों से पहले मुख्य रास्तों की मरम्मत और नवीनीकरण के काम को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि गड्ढा-मुक्त सड़क अभियान सिर्फ.अस्थायी मरम्मत (पैचवर्क) तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। बुरी तरह क्षतिग्रस्त सड़कों को तुरंत चलने लायक बनाया जाना चाहिए और बारिश के बाद उनका स्थायी नवीनीकरण किया जाना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि सड़कों को नुकसान न केवल ज्यादा बारिश के कारण हुआ है, बल्कि एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे जैसी निर्माण परियोजनाओं से जुड़े भारी वाहनों की आवाजाही के कारण भी हुआ है। क्षतिग्रस्त हिस्सों की पहचान करने के लिए अलग-अलग विभागों में सर्वे चल रहे हैं

और गड्ढों की मरम्मत के लिए लक्ष्य तय किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने राज्य भर में प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के लिए 681 महत्वपूर्ण रास्तों की पहचान की है। इसमें उन सड़कों पर खास ध्यान दिया गया है जिन पर त्योहारों के दौरान ज्यादा ट्रैफि क होने की उम्मीद है।

विराट कोहली और एकनाथ शिंदे की लंदन में मुलाकात, जानें किन मुद्दों पर हुई खास बातचीत

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लंदन में भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली से मुलाकात की। शिंदे के मुताबिक, यह मुलाकात एक सद्भावना भेंट थी। विराट कोहली लंदन में रहते हैं और जब उन्हें पता चला कि एकनाथ शिंदे भी लंदन में हैं, तो उन्होंने उनसे मुलाकात की। मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे ने विराट कोहली की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े क्रिकेटर और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल विराट कोहली का व्यवहार बेहद सहज और जमीन से जुड़ा हुआ है। शिंदे ने बताया कि वह पहले भी विराट से मिल चुके हैं, लेकिन इस बार दोनों के बीच काफी सीधी और अच्छी बातचीत हुई। महाराष्ट्र के विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी हुई बात एकनाथ शिंदे ने बताया कि मुलाकात के दौरान महाराष्ट्र में चल रहे विकास कार्यों और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर भी चर्चा हुई। उन्होंने विराट कोहली को थर्ड मुंबई प्रोजेक्ट, अटल सेतु, बालासाहेब ठाकरे समृद्धि महामार्ग, कोस्टल रोड और मेट्रो जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा स्कूल, हेल्थकेयर और महाराष्ट्र सरकार की अलग-अलग योजनाओं पर भी चर्चा हुई। शिंदे ने कहा कि उन्होंने राज्य में हो रहे बदलाव और भविष्य की योजनाओं के बारे में विराट को

पश्चिम बंगाल में 15000 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट शुरू, सीएम ने रोबोटिक अग्निशमन प्रणाली का किया ऐलान

बंगाल: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 11 सितंबर को राज्य में विकास की कई अहम योजनाओं के बारे में बताया। इनमें 15,000 करोड़ रुपये का एक प्रोजेक्ट, 600 करोड़ रुपये की अमूल सुविधा और रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम शामिल हैं। यह सिस्टम ऐसी जगहों तक पहुँचने के लिए बनाया गया है जहाँ आम फायर टेंडर नहीं पहुँच पाते। पिछले चार महीनों में हुई प्रगति का ज़िक्र करते हुए अधिकारी ने कहा कि पिछले चार महीनों में हमने कई अहम प्रोजेक्ट देखे हैं; जैसे, गंगोनी में एक प्रोजेक्ट के लिए 700 करोड़ रुपये का बड़ा वादा किया गया था। 15,000 करोड़ रुपये का एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू हो चुका है। रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम के बारे में उन्होंने कहा कि हम रोबोटिक फायर-फाइटिंग सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट्स में तरक्की देख रहे हैं, जो ऐसी जगहों पर काम कर सकते हैं जहाँ बड़ी फायर ट्रक नहीं पहुँच सकतीं। अधिकारी ने अमूल के 600

करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने का भी ज़िक्र किया और कहा, "तीसरा बड़ा प्रोजेक्ट अमूल से जुड़ा है, जिसमें 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। काम पहले ही शुरू हो चुका है और एक बड़ी फैसिलिटी बनाई जा रही है।" उन्होंने लार्सन एंड टुब्रो के एक बड़े डेटा सेंटर के उद्घाटन का भी ज़िक्र किया और कहा कि हमने के एक बड़े डेटा सेंटर का उद्घाटन किया; कैबिनेट ने इस प्रोजेक्ट को पहले ही मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री ने ये बातें कोलकाता में सॉल्ट लेक सिटी सेंटर के पास स्टाइल बाजार में आयोजित 'फैशन वॉर्डरोब' इवेंट में कहीं, जहाँ वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता भी मौजूद थे। उनके ये बयान पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव से पहले आए हैं, जो 6 अक्टूबर को होने हैं (इसमें नंदीग्राम सीट भी शामिल है) और वोटों की गिनती 9 अक्टूबर को होगी। नंदीग्राम सीट तब खाली हुई थी जब अधिकारी ने, जिन्होंने विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटें जीती थीं, भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया। इससे पहले, आम जनता उन्नयन पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने नंदीग्राम में अधिकारी के प्रभाव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सीट से चुनाव लड़ती हैं, तो अधिकारी का उम्मीदवार जीतेगा।

आसमान में उड़ता 'किला' लेकर भारत आए पुतिन, कितना खास है रूस का 'डूम्सडे प्लेन'?

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तीन दिवसीय यात्रा पर शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की, जिसमें व्यापार, निवेश और ऊर्जा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। पुतिन एक हाई-लेवल डेलीगेशन और कड़ी सुरक्षा के बीच दिल्ली पहुंचे। पुतिन जिस खास विमान से भारत आए वह काफी चर्चा में है। वे दो एक जैसे इल्यूशिन Ilyushin IL-96-300PU विमानों में से एक में सवार होकर आए। इसे अक्सर 'फ्लाइंग क्रेमलिन' और 'डूम्सडे प्लेन' कहा जाता है। यह कोई सामान्य विमान नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर आसमान में ही कमांड सेंटर के रूप में काम करने के लिए तैयार रहता है। एक नहीं, दो विमान एक साथ उड़ते हैं पुतिन की सुरक्षा व्यवस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके लिए एक जैसे दो Ilyushin IL-96-300PU विमान एक साथ उड़ान भर सकते हैं। दोनों विमान एक साथ हवा में रहते हैं, ताकि पुतिन वास्तव में किस विमान में सवार हैं, इसकी जानकारी किसी को न लग

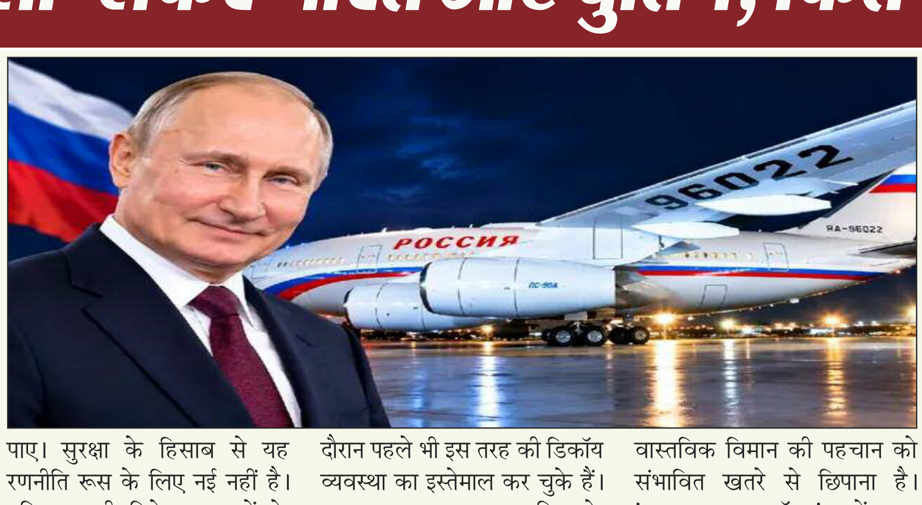

पाए। सुरक्षा के हिसाब से यह रणनीति रूस के लिए नई नहीं है। पुतिन अपनी विदेश यात्राओं के दौरान पहले भी इस तरह की डिकॉय व्यवस्था का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसका मकसद राष्ट्रपति के वास्तविक विमान की पहचान को संभावित खतरे से छिपाना है। 'आसमान का ऑरस' क्यों कहा

सुरक्षा के हिसाब से यह रणनीति रूस के लिए नई नहीं है। पुतिन अपनी विदेश यात्राओं के दौरान पहले भी इस तरह की डिकॉय व्यवस्था का इस्तेमाल कर चुके हैं। इसका मकसद राष्ट्रपति के वास्तविक विमान की पहचान को संभावित खतरे से छिपाना है।

जाता है? पुतिन के इस विमान को विशेष सुरक्षा और क्षमता के कारण 'आसमान का ऑरस' भी कहा जाता है। जिस तरह रूस की 'ऑरस सेनाट' कार को राष्ट्रपति की बेहद सुरक्षित आधिकारिक कार माना जाता है, उसी तरह Ilyushin IL-96-300PU को राष्ट्रपति के लिए विशेष रूप से तैयार विमान के तौर पर देखा जाता है। इस विमान का मूल डिजाइन इल्युशिन डिजाइन ब्यूरो ने 1980 के दशक में विकसित किया था। बाद में इसे रूसी राष्ट्रपति और शीर्ष नेतृत्व की जरूरतों के अनुसार इसमें बदलाव किए गए। परमाणु युद्ध की स्थिति में भी बन सकता है कमांड सेंटर 'डूम्सडे प्लेन' नाम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इस तरह के विमानों को ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयार किया जाता है, जब जमीन पर मौजूद सैन्य कमांड सेंटर किसी बड़े युद्ध, परमाणु हमले या आपदा के कारण काम करने की स्थिति में न हों। टाइम्स के अनुसार, Ilyushin IL-96-300PU में अत्याधुनिक और सुरक्षित संचार प्रणाली लगी है। इसके जरिए रूस के सैन्य, खुफिया और सरकारी नेटवर्क से एन्क्रिप्टेड सैटेलाइट संचार के माध्यम से संपर्क बनाए रखा जा सकता है। यह गंभीर राष्ट्रीय आपात स्थिति में भी हवा में रहते हुए महत्वपूर्ण फैसले लेने और सैन्य नेटवर्क से संपर्क बनाए रखने में सक्षम रह सकता है।

संपादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है। वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

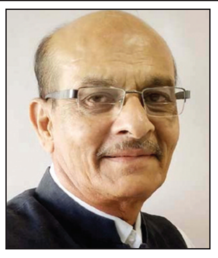
सनत जैन

अमेरिका सहित दुनिया के देशों में मोदी मॉडल की गूंज...

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्रॉध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग को लेकर बहुत सारे मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप इन्हीं मुद्दों को अमेरिकी में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए सेव एक्ट के समर्थन में नागरिकता प्रमाण और फोटो आईडी जैसी शर्तों की वकालत अमेरिका में शुरू कर दी है। भारत की एसआईआर और अमेरिका में प्रस्तावित चुनावी नियमों को समान बताना सही नहीं होगा। दोनों देशों की चुनाव व्यवस्था, संघीय ढांचा और मतदाता पंजीकरण प्रणाली अलग है। इसके बाद भी ट्रंप भारत की व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब आते हैं, सबसे दिलचस्प मुद्दे रेवड़ी या चुनाव के पहले मतदाताओं को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में करना। 9 सितंबर 2026 को ट्रंप ने घोषणा की है, यदि रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत बनाए रखती है। तो अमेरिकी वयस्क नागरिकों को 5,000 डॉलर का डिविडेंड दिया जाएगा। इसका संभावित खर्च एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगा। भारत में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कथित तौर पर 15 लाख रुपये चुनाव जीतने पर देने का वादा किया गया था, जिसे बाद में चुनावी जुमला करार दिया गया। चुनाव के पहले भारत में इस तरह की घोषणा पिछले कई चुनाव में देखने को मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इसे फ्री की रेवड़ी कहते थे। चुनाव के ठीक पहले अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यही रास्ता अखत्यार किया है। यहीं से वर्तमान राजनीति के नए समीकरण शुरू होते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को नगद राशि देकर अपने पक्ष में मतदान कराकर चुनाव जीतना। पहले नेता की छवि, राजनीतिक दल की विचारधारा, राष्ट्रवाद, आम जनता के लिए घोषणा पत्र, जिसमें सरकार किस तरह से काम करेगी इसका उल्लेख होता था। विपक्षी पार्टी के खिलाफ प्रचार कर उनकी स्थिति को कमजोर करना चुनाव लड़ने का माध्यम होता था। पिछले एक दशक में सारी दुनिया के देशों में राजनीति की दिशा और दशा बदली है। जो सत्ता में काबिज है वह सत्ता छोड़ना नहीं चाहता है। चीन, अमेरिका, इजराइल एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों के शासक अपना पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था वह तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। क्या यह मोदी मॉडल है? कहना जल्दबाजी होगी। इतना जरूर कहा जा सकता है, जिस तरह भारतीय राजनीति में नेतृत्व की व्यक्तिगत छवि, अधिकारों का केंद्रीकरण, जनसंपर्क, राष्ट्रहित, धार्मिक ध्रुवीकरण, फ्री की रेवड़ी जैसी योजनाएं चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं, वैसी ही प्रवृत्तियां अमेरिकी राजनीति में भी दिखाई दे रही हैं। असली सवाल यह नहीं है, मोदी ट्रंप के गुरु हैं या नहीं। असली सवाल यह है, क्या दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति अब एक-दूसरे देश से चुनाव जीतने की तकनीक सीख रही है? ट्रंप भारत से सबक ले रहे हैं, तो यह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक शक्ति की उपलब्धि मानना होगा। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि निष्पक्ष मतदाता सूची, स्वतंत्र संस्थाओं, पारदर्शी चुनाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिक अधिकारों की रक्षा से होती है। इस दृष्टि से भविष्य में सवाल पूछेगा, पहले भारत व्यवस्था में अमेरिका से प्रेरणा लेता था, अब समय बदला है। अमेरिका जैसा विकसित राष्ट्र भारत से चुनावी राजनीति सीख रहा है? अगर ऐसा है, तो इसे भारत की बड़ी वैश्विक उपलब्धि माना जाएगा। जिस तरह की शासन व्यवस्था विकसित हो रही है उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, पूंजीवादी व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था...

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है।

हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्त्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है- लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोचेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

नैनो उर्वरकों के प्रयोग से किसानों को मिलेगा आधुनिक एवं संतुलित खेती का लाभ

सहकारी समितियों के सचिवों को खाद वितरण की नई प्रणाली एवं इफको के विभिन्न उत्पादों के प्रयोग की दी गई विस्तृत जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन में शुक्रवार को नैनो उर्वरक आधारित सचिवों को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के सभी समितियों से लगभग 50 सचिव उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य सचिवों को खाद वितरण की नई प्रणाली ऐप के माध्यम से खाद बुकिंग , इफको के नैनो उर्वरकों की उपयोगिता एवं प्रयोग विधि तथा किसानों तक उर्वरकों की सही एवं वैज्ञानिक जानकारी पहुंचाने के लिए जागरूक करना रहा।कार्यक्रम की शुरूआत में सहायक आयुक्त सहकारिता वरुण अग्रवाल ने सचिवों को खाद वितरण की नई प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उर्वरक वितरण व्यवस्था, किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने तथा वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनाए रखने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि सचिवों को किसानों के सीधे संपर्क में रहते हैं, इसलिए नई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बाद जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने सचिवों को बताया कि अब ऐप के माध्यम से बुकिंग होने के बाद ही किसान खाद ले सकेंगे यह नई प्रणाली है इसको समझना एवं करना होगा । कहा कि खाद का संतुलित मात्रा में एवं वैज्ञानिक तरीके से किसान खाद का उपयोग करे किसानों तक आधुनिक कृषि तकनीक एवं उर्वरकों की सही जानकारी पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सचिवों से किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराने एवं सही जानकारी देने का आह्वान किया। इफको क्षेत्राधिकारी प्रवीन सिंह द्वारा इफको के नैनो उर्वरकों एवं जल-विलेय उर्वरकों एवं अन्य उत्पादों की उपयोगिता तथा फसलवार प्रयोग की जानकारी भी दी।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त सहायक निबंधक वरुण अग्रवाल, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, ADCO उमेश कुमार भूमि संरक्षण अधिकारी , इफको क्षेत्राधिकारी प्रवीन सिंह, इफको प्रतिनिधि मोहित कुमार, दीपक कुमार, अवधेश गोस्वामी सहित सहकारिता विभाग एवं इफको से संबंधित अधिकारी तथा लगभग 60 सचिव मौजूद रहे।

लकड़ी माफियाओं ने हरे-भरे आम के बाग पर चलाया आरा

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में वन विभाग की नाक के नीचे लकड़ी माफिया बेखौफ होकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। ताजा मामला थाना सैदनगली क्षेत्र की नगर पंचायत उझारी का है, जहां उझारी-बहजोई मार्ग पर स्थित एक फलदार आम के बाग को काट डाला गया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह अवैध कटान वन विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत से किया गया है। सूत्रों के अनुसार माफिया ने कार्रवाई से बचने के लिए नई चाल चली है। बाग में लगे बड़े आम के पेड़ों को जड़ से काटने के बाद छोटे पेड़ों की शाखाएं भी काट दी गईं, केवल दिखावे के लिए एक-एक शाखा छोड़ दी गई। कटे हुए पेड़ों के ठूंठ और निशान मिटाने के लिए पूरे बाग में ट्रैक्टर से जुताई करा दी गई, ताकि बाहर से देखने पर कटान का पता न चले। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष है। लोगों का कहना है कि विभाग की खामोशी मिलीभगत की ओर इशारा कर रही है। फिलहाल बड़ा सवाल यह है कि क्या जिला प्रशासन और वन विभाग के उच्च अधिकारी मामले का संज्ञान लेकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करेंगे, या चंद रुपयों के लालच में इसी तरह हरियाली को उजाड़ा जाता रहेगा।

डिडौली क्षेत्र में हाईवे 9 पर डिवाइडर से टकराई ब्रेजा कार, टायर फटने से हुआ हादसा, चार लोग घायल

डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली थाना क्षेत्र के जोया नेशनल हाईवे 9 पर शुक्रवार को एक ब्रेजा कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। जिससे कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह हादसा कार का टायर फटने से हुआ है जिससे कार अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से जाकर टकरा गई। इस हादसे में घायल चार लोगों में से एक ही हालात गंभीर बताई जा रही है जिसको बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

बता दें कि यह हादसा थाना क्षेत्र के जोया नेशनल हाईवे 9 पर नारंगपुर फ्लाईओवर पर हुआ जहां एक तेज रफ्तार ब्रेजा कार का टायर फट गया जिससे वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जाकर टकरा गई। हादसा होते ही मौके पर राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उधर इस हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया कि यह ब्रेजा कार मुरादाबाद से दिल्ली की ओर जा रही थी। घायलों की पहचान दिल्ली के सीतापुरी डाबड़ी निवासी तहसीन (पुत्र सद्दीक), ललिता पार्क, लक्ष्मी नगर निवासी विक्रम यादव (पुत्र चंद्रिका प्रसाद), मंडावली निवासी मोहम्मद शादाब (पुत्र लतीफ) और नोएडा के नया बांस, सेक्टर-15 निवासी शमीम (पुत्र इस्लाम) के रूप में हुई है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने तहसीन की हालत गंभीर देखते हुए उसे हायर सेंटर मुरादाबाद रेफर कर दिया। उसकी हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।पुलिस ने क्षतिग्रस्त गाड़ी को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चला सघन चेकिंग अभियान, मॉक ड्रिल कर परखी तैयारियां

अमरोहा (सब का सपना):- न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शुक्रवार को पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत एएस चेक टीम, डॉग स्क्वायड, स्वॉट टीम और अग्निशमन टीम ने न्यायालय परिसर में संदिग्ध व्यक्ति, वाहन और वस्तुओं की गहनता से तलाशी ली। परिसर में आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ कर तलाशी ली गई। इस दौरान परिसर में लगे मेटल डिटेक्टर, स्कैनर मशीन, सीसीटीवी कंट्रोल रूम सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों का निरीक्षण किया गया। सीसीटीवी कैमरे, डीएफएमडी, एचएचएमडी और हैंड सेट की उपलब्धता और क्रियाशीलता को भी चेक किया गया। साथ ही आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन कर बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी न्यायालय सुरक्षा, अग्निशमन दल, एएस चेक टीम, डॉग स्क्वायड और स्वॉट टीम के पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

यूपी में भारी बारिश का दौर जारी, कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने का अलर्ट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में बीते दिनों से तेज वर्षा का दौर जारी है। वहीं, कई जिलों में मौसम विभाग की तरफ से आंधी और तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, कई क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। प्रदेश में बीते 24 घंटे में पूर्वी यूपी के कायमगंज में 8 सेमी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर में 7 सेमी बारिश दर्ज की गई। इसके साथ ही, कई इलाकों में गरज-चमक के साथ भी बारिश हुई। यूपी में बारिश का अलर्टप्रदेश में आने वाले दिनों में मौसम विभाग की तरफ से बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, कई क्षेत्रों में आंधी-तूफान की भी चेतावनी जारी की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेशः मौसम विभाग के अनुसार, यूपी के पूर्वी हिस्से में 11 से 17 सितंबर के दौरान कई स्थानों पर छिटपुट से लेकर हल्की या मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा, कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ हवाएं चलने का अनुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेशः मौसम विभाग ने 11 सितंबर को पश्चिमी यूपी के कई इलाकों में बारिश होने की संभावना जताई है। वहीं, 12 से 17 सितंबर के दौरान छिटपुट बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना गई है। मौसम विभाग की तरफ से बारिश के दौरान बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने पर खुले स्थानों पर जाने से बचें। इसके साथ ही, जलभराव और जर्जर भवनों के पास भी न जाने की सलाह दी गई है।

उत्तर प्रदेश सरकार की एआई प्रज्ञा पहल के अंतर्गत अमरोहा में नि:शुल्क प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण पहल एआई प्रज्ञा के अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, अमरोहा तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, गंगेश्वरी में आज एक दिवसीय निःशुल्क एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आईबीएम स्किल्स बिल्ड के माध्यम से करियर और रोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण कौशलों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हसनपुर के 17 तथा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गंगेश्वरी के 46 सहित कुल 63 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों को प्रभावी रिज्यूमे बनाने, उसमें आवश्यक जानकारियों को सही तरीके से प्रस्तुत करने तथा नौकरी के लिए बेहतर रिज्यूमे तैयार करने की ट्रेनिंग दी गई। साथ ही इंटरव्यू में पूछे जाने वाले सामान्य प्रश्नों के सही उत्तर देने और इंटरव्यू की बेहतर तैयारी करने के बारे में भी व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के सफल समापन पर सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को आईबीएम स्किल्स बिल्ड का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। संस्थान के प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा, प्रभारी मोईन खान, लोकेश कुमार तथा इंस्ट्रक्टर गौरव कटियार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

धनौरा स्थित कॉलेज में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, मेधावी छात्रों का जिला स्तर के लिए चयन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित एक इंटर कॉलेज में शुक्रवार को संकुल स्तरीय माध्यमिक विद्यालय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का शानदार आयोजन कराया गया जिसमें क्षेत्र के कई स्कूलों की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन को तीन आयु वर्गों में बांटा गया, प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिला स्तरीय कबड्डी के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले छात्रों को चुनना था। बता दें कि धनौरा स्थित लायंस कन्या इंटर कॉलेज में शुक्रवार को संकुल स्तरीय माध्यमिक विद्यालय बालिका कबड्डी प्रतियोगिता हुई। इसमें क्षेत्र के कई स्कूलों की छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का मकसद जिला स्तरीय कबड्डी के लिए बेहतरीन खिलाड़ियों को चुनना था। यह आयोजन तीन आयु वर्गों (अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19) में किया गया।मैदान पर उतरीं छात्राओं ने अपने खेल से दर्शकों और अध्यापकों का दिल जीत लिया। अंडर-14 वर्ग में राजकीय इंटर कॉलेज बछरायूं, कंपोजिट विद्यालय ढयौटी, श्री गांधी इंटर कॉलेज धनौरा, श्री फतेह सिंह यादव इंटर कॉलेज मोहम्मदपुर लौहडडा और मेजबान लायंस कन्या इंटर कॉलेज की टीमों ने हिस्सा लिया।अंडर-17 वर्ग में तुषार पब्लिक इंटर कॉलेज मोहद्दीनपुर, कंपोजिट विद्यालय ढयौटी, श्री गांधी इंटर कॉलेज धनौरा और लायंस कन्या इंटर कॉलेज के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। अंडर-19 वर्ग में तुषार पब्लिक इंटर कॉलेज मोहद्दीनपुर, मुन्नी देवी इंटर कॉलेज धनौरा, श्री गांधी इंटर कॉलेज धनौरा, सर्वोदय इंटर कॉलेज पीपली और लायंस कन्या इंटर कॉलेज की टीमों ने शानदार खेल दिखाया।मैचों के बाद चयन समिति ने अच्छे प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभाशाली छात्राओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चुना। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक और अमरोहा जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. एम.पी. शर्मा, संकुल अध्यक्ष सुधाकर और प्रधानाचार्य सत्यपाल ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। डॉ. एम.पी. शर्मा ने कहा कि खेल से छात्राओं में अनुशासन और लीडरशिप की क्षमता बढ़ती है।प्रतियोगिता को सफल बनाने में अलग-अलग स्कूलों से आए कोचों, खेल अध्यापकों और सहयोगियों का खास योगदान रहा। गौरव शर्मा, सुमित यादव, सुनील भाटी, राजकुमार, आलोक, आशीष, मोहित शर्मा और जय सिंह ने मैच संचालन और बाकी व्यवस्थाओं में पूरा सहयोग दिया। आखिर में चुनी गई छात्राओं को बधाई दी गई और जिला स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना 2.0 : 10 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण, प्रशिक्षण के दौरान मानदेय के साथ मिलेगी टूलकिट

कानपुर। हुनर सिखाकर युवाओं को रोजगार दिलाने वाली विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना अब पूरी तरह से बदल गई है। पारंपरिक कारीगरी सिखाने के बजाय अब युवाओं को मोबाइल फोन और कंप्यूटर मरम्मत, सोलर इंस्टालेशन जैसे आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बनाया जाएगा। इसके लिए प्रशिक्षित युवाओं को बैंक से 10 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण भी सरकार दिलाएगी और प्रशिक्षण के दौरान मानदेय के साथ ही आधुनिक टूलकिट भी देगी। विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री इस योजना के नए संस्करण का शुभारंभ करते हुए लाभार्थियों की घोषणा करेंगे। सरकार ने योजना के दूसरे चरण में 14 नए ट्रेड शामिल कर इसका दायरा काफी बढ़ा दिया है। पहले बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, नाई, राजमिस्त्री, सुनार, टोकरी बुनकर, हलवाई, मोची और धोबी समेत 11 ट्रेड शामिल थे। अब मूर्तिकार, मालाकार, दूधवाला, भरभूजा और मछुआरा के साथ ही आधुनिक जरूरतों से जुड़े पेशों को भी शामिल किया गया है जिसमें मोबाइल फोन मरम्मत, आटोमोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रानिक सामान मरम्मत, विद्युत सामान मरम्मत, प्लम्बर, कंप्यूटर मरम्मत, सोलर इंस्टालेशन, डिजिटल फोटोग्राफी तथा सौंदर्य एवं वेलनेस शामिल है। अभी तक योजना के लाभार्थियों को प्रशिक्षण मानदेय और टूल किट दी जाती रही है लेकिन नए संस्करण के तहत प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक का बैंक ऋण भी बगैर किसी गारंटी के उपलब्ध कराया जाएगा। ऋण पर 15 प्रतिशत तक मार्जिन मनी सब्सिडी यानी बैंक ब्याज का लाभ मिलेगा। सामान्य श्रेणी के पुरुष लाभार्थियों को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं लगाना होगा, जबकि महिलाओं, दिव्यांगजनों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य आरक्षित वर्ग के लाभार्थियों के लिए स्वयं का अंशदान पांच प्रतिशत रखा गया है। सिर्फ ऋण देकर छोड़ने के बजाय योजना में कारीगरों को हुनर निखारने का अवसर भी दिया जाएगा। चयनित लाभार्थियों को 10 दिन का निश्शुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण मिलेगा। प्रशिक्षण अवधि में प्रतिदिन 500 रुपये के हिसाब से कुल पांच हजार रुपये मानदेय सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजा जाएगा।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद लाभार्थियों को अपने काम को आधुनिक और बेहतर तरीके से करने के लिए 15 हजार रुपये तक की उन्नत टूलकिट निश्शुल्क दी जाएगी। इससे पारंपरिक कारीगरों को आधुनिक उपकरणों से काम करने और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमावस्या के अवसर पर तिगरी गंगा धाम एवं बृजघाट में हजारों श्रृद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

हर हर गंगे के जयकारों से गूंजे गंगा घाट

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला तिगरी गंगा धाम एवं बृजघाट गंगा धाम में शुक्रवार को अमावस्या के अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डुबकी लगाई और अपने पितरों को अर्घ्य देकर उन्हें याद किया और भगवान से उनकी आत्मा शांति के लिए एवं अपने घर में सुख समृद्धि के लिए कामना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने गंगा घाटों पर पहुंचकर गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ कमाया वहीं गंगा घाट भी हर-हर गंगे व हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे जिससे माहौल पूरी तरह से भक्तिय हो गया। बता दें कि अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्म शांति के लिए गंगा किनारे हवन-यज्ञ भी कराए। उन्होंने पुरोहितों को वस्त्र और भोजन जैसी चीजें दान कीं। शुक्रवार को बृजघाट और तिगरी गंगा धाम के घाटों पर साधु-संतों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महिलाओं और बुजुर्गों में भी स्नान को लेकर खास उत्साह देखा गया। बृजघाट में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान जैसे राज्यों के अलावा मेरठ, हापुड़, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, रामपुर और बिजनौर सहित कई जिलों से श्रद्धालु आए थे। कुछ श्रद्धालु तो गुरुवार रात ही बृजघाट पहुंच गए थे और उन्होंने ब्रह्म मुहूर्त में स्नान किया। इन श्रद्धालुओं ने अनुष्ठान कर घर में सुख-शांति की कामना की और जरूरतमंदों को दान दिया।तिगरी गंगा धाम में भी गजरौला शहर और आसपास के गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। उन्होंने गंगा स्नान किया और हवन-यज्ञ कराकर पुण्य लाभ कमाया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया था।

फतेहपुर के जाफरगंज में पुलिस मुठभेड़, 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर घायल

फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना जाफरगंज पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। बीती रात 10/11 सितंबर को थाना क्षेत्र के रुसिया रोड पर ग्राम डिघरुवा के पास पुलिस टीम ने घेराबंदी की थी, तभी 25 हजार रुपये के इनामी हिस्ट्रीशीटर से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। घायल की पहचान अमित कुमार उर्फ टेनी पुत्र स्व. अच्छेलाल निवासी ग्राम डिघरुवा थाना जाफरगंज के रूप में हुई है। पुलिस

ने उसे तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल फतेहपुर भिजवाया है। घायल बदमाश के कब्जे से एक 315 बोर का देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ है। आरोपी थाना जाफरगंज के मु0अ0सं0 134/2026 में वांछित चल रहा था। इस मुठभेड़ को लेकर पुलिस ने नया मुकदमा 152/2026 धारा 109(1) BNS U 3/25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज किया है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी अमित पर फतेहपुर सहित अन्य जनपदों में कुल 16 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।वंही पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि थाना जाफरगंज पुलिस से इनामिया हिस्ट्रीशीटर अमित कुमार उर्फ टेनी की मुठभेड़ हुई है जो पुलिस मुजाहमत के मामले में वांछित था और उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था। मुठभेड़ में उसके बाएं पैर में गोली लगी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बाढ़ के पानी से कृषि भूमि में कटान, किसान परेशान

कई गांवों में फसल और खेतों को नुकसान, सर्वे कराकर आर्थिक सहायता की मांग

फतेहपुर (सब का सपना):- मलवां विकासखंड के शिवराजपुर ग्राम पंचायत के अंतर्गत मिश्रनखेड़ा, लालखेड़ा, बसंतखेड़ा, दुल्हीखेड़ा समेत कटरी क्षेत्र के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ के तेज बहाव से कृषि योग्य भूमि में लगातार कटान हो रहा है। कई स्थानों पर पानी के तेज बहाव ने नाले का रूप ले लिया है, जिससे किसानों की उपजाऊ भूमि नष्ट हो रही है किसानों के अनुसार बाढ़ के कारण खेतों में खड़ी फसलों को भी नुकसान पहुंचा है कटान बढ़ने से कृषि भूमि के लगातार बह जाने का खतरा बना हुआ है। इससे क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसान वीरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि तेज बहाव के कारण खेतों में कटान हो रही है और उपजाऊ जमीन नष्ट हो रही है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कराकर नुकसान का आकलन कराने तथा किसानों को शासन स्तर से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

ओवरलोड वाहनों पर पुलिस-एआरटीओ की सख्ती, 24 वाहन सीज

295 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई, 8.35 लाख रुपये का जुर्माना,47 ओवरलोड वाहनों पर हुई प्रवर्तन कार्रवाई

संभल(सब का सपना):- जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से ओवरलोड वाहनों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान शुक्रवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। पुलिस और एआरटीओ विभाग की संयुक्त टीम ने ओवरलोड वाहनों के साथ-साथ टेंपो में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक संभल विकास चंद्र त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात अजीत सिंह के निर्देशन में प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस तथा एआरटीओ संभल की टीम ने विभिन्न स्थानों पर वाहनों की जांच की। अभियान के दौरान 47 ओवरलोड वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई, जबकि 24 वाहनों को सीज किया गया। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य वाहनों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस द्वारा 9 ई-रिक्शा एवं टेंपो के पायदान हटवाए गए, ताकि उनमें क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने पर रोक लगाई जा सके। यातायात पुलिस के अनुसार शुक्रवार को जनपद में कुल 295 वाहनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई की गई। इन वाहनों पर कुल 8 लाख 35 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह ने बताया कि ओवरलोडिंग के कारण सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद संभल में ओवरलोड वाहनों के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत में आज मामलों का होगा त्वरित निस्तारण

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- वर्षों से कोर्ट-कचहरी की तारीखों और मुकदमों के खर्च से परेशान वादकारियों के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत राहत लेकर आई है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत वर्ष 2026 की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत आज जनपद संभल (मुख्यालय चंदौसी) स्थित न्यायालय परिसर एवं संबंधित विभागों में सुबह 10 बजे से आयोजित की जाएगी। लोक अदालत में वादकारियों को किसी प्रकार की कोर्ट फीस नहीं देनी होगी और मामलों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर किया जाएगा। लोक अदालत में आम नागरिकों से जुड़े विभिन्न मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित किया

जाएगा। इनमें बिजली और पानी के बिल, टेलीफोन के बकाये, बैंक व एनबीएफसी के ऋण वसूली मामले, शमनीय यातायात चालान, चेक बाउंस, मोटर दुर्घटना दावा, श्रम विवाद, उपभोक्ता मामले और राजस्व संबंधी विवाद शामिल हैं। इसके अलावा तलाक को छोड़कर वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का भी आपसी सहमति से समाधान कराया जाएगा। लोक अदालत में दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण में समझौता कराया जाता है। पीठ द्वारा पारित आदेश सिविल कोर्ट की डिक्री के समान कानूनी और बाध्यकारी होता है तथा उसके खिलाफ अपील नहीं होती। यदि किसी मामले में दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं बनती है तो पत्रावली को नियमित न्यायालय में वापस भेज दिया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधिक से अधिक लोगों को लोक अदालत का लाभ दिलाने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सार्वजनिक स्थलों, तहसील व विकासखंड कार्यालयों तथा डिजिटल माध्यमों से लोगों को जानकारी दी जा रही है। इच्छुक वादकारी अपने मामले को लोक अदालत में शामिल कराने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चंदौसी अथवा निकटतम तहसील विधिक सेवा समिति से संपर्क कर सकते हैं।

मिशन शक्ति केंद्रों को प्रभावी बनाने पर एसपी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में जनपद के समस्त थानों के मिशन शक्ति केंद्र प्रभारियों एवं केंद्रों पर नियुक्त कर्मचारियों के साथ गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि मिशन शक्ति केंद्रों को प्रभावी एवं सुचारु रूप से संचालित किया जाए। केंद्रों पर अपनी समस्याएं लेकर आने वाली महिलाओं की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुना जाए और उनका उचित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। एसपी ने यह भी निर्देशित किया कि महिलाओं को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा महिला कल्याण और सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए। पात्र महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्रों पर आने वाली महिलाओं के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। गोष्ठी के दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा के साथ-साथ उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक कर उन्हें सशक्त बनाना है।

पशुओं को एलएसडी से बचाने के लिए गांवों में टीकाकरण अभियान तेज

छह गांवों में पशुओं का हुआ टीकाकरण, पशुपालकों को बीमारी से बचाव के प्रति किया जागरूक

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निदेर्शानुसार जनपद में पशुओं को लंपी स्किन डिजीज (एलएसडी) से सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण एवं जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत केली पतरासी, भामोरी पट्टी, लदनपुर, अतरासी, सोंधन एवं सिहावली गांवों में पशुओं का टीकाकरण किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित पशु चिकित्सा टीमों को टीकाकरण में तेजी लाने, प्रत्येक पात्र पशु को कवर करने तथा ग्रामीणों को एलएसडी के प्रति

जागरूक करने के निर्देश दिए। विभागीय टीमों द्वारा गांव-गांव पहुंचकर पशुपालकों को बीमारी के लक्षण और इससे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान पशुपालकों को पशुओं की स्वच्छता बनाए रखने तथा मच्छर-मक्खी जैसे वाहक कीटों की रोकथाम के संबंध में भी जागरूक किया गया। साथ ही संदिग्ध पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने और बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल पशु चिकित्सा विभाग को सूचना देने की अपील की गई। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी के सक्रिय पर्यवेक्षण एवं विभागीय टीम की लगातार क्षेत्रीय निगरानी का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। निगरानी के दौरान क्षेत्र में एलएसडी का कोई नया संदिग्ध अथवा पुष्ट प्रकरण सामने नहीं आया है। डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि एलएसडी की रोकथाम के लिए

टीकाकरण, नियमित निगरानी, त्वरित सूचना और जन-जागरूकता को प्राथमिकता दी जा रही है। पशुधन को बीमारी से सुरक्षित रखने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

यूपी में अब ऑनलाइन बनेगा ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट, खतौनी और जमीन बंटवारे की प्रक्रिया भी हुई डिजिटल

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन केंद्रित, पारदर्शी और तकनीक आधारित सुशासन के विजन को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश में राजस्व सेवाओं को और सरल एवं नागरिक हितैषी बनाने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। राजस्व परिषद ने ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र की प्रक्रिया को ऑनलाइन और पारदर्शी बनाने के लिए ईडब्ल्यूएस पोर्टल व भूमि अभिलेखों को अधिक स्पष्ट और सटीक बनाने के लिए सरलीकृत खतौनी का शुभारंभ किया है। राजस्व परिषद की अध्यक्ष अर्चना अग्रवाल ने शुक्रवार को राजस्व परिषद के आंबेडकर सभागार में दोनों सुविधाओं की शुरूआत की। इनके साथ उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत भूमि विभाजन की प्रक्रिया को ऑनलाइन करने वाला पोर्टल भी शुरू किया गया। ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे अनावश्यक चक्कर ईडब्ल्यूएस पोर्टल के शुरू होने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए प्रमाणपत्र बनवाने की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक आसान और पारदर्शी होगी। अब नागरिक

ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन आगे लेखपाल और तहसीलदार स्तर पर ऑनलाइन भेजा और निस्तारित किया जा सकेगा। आवेदन किस स्तर पर पहुंचा है और उसकी क्या स्थिति है, इसकी जानकारी भी डिजिटल माध्यम से दर्ज और देखी जा सकेगी। इस व्यवस्था से कागजी कार्यवाही कम होगी और नागरिकों को बार-बार तहसील या संबंधित कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत कम पड़ेगी। साथ ही आवेदन के निस्तारण में जवाबदेही और समयबद्धता बढ़ेगी। पूरी प्रक्रिया की निगरानी डिजिटल माध्यम से होने के कारण पारदर्शिता भी मजबूत होगी। योगी सरकार की तकनीक आधारित व्यवस्था का यह कदम खास तौर पर उन नागरिकों के लिए राहत देने वाला है, जिन्हें प्रमाण-पत्र बनवाने में अनावश्यक भागदौड़ करनी पड़ती थी। सरलीकृत खतौनी से भूमि का रिकॉर्ड समझना होगा आसान सरलीकृत खतौनी के जरिए भूमि अभिलेखों को आम नागरिक के लिए अधिक स्पष्ट, सहज और उपयोगी बनाया गया है। अब खतौनी में भूमि का क्षेत्रफल छह दशमलव स्थानों तक प्रदर्शित किया जाएगा। इससे भूमि के क्षेत्रफल की जानकारी पहले से अधिक सटीक रूप में सामने आएगी। खतौनी में अभिलेखागार से संबंधित पुराने आदेशों और पुराने बंधक आदेशों की जानकारी को भी व्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। इससे नागरिकों और राजस्व अधिकारियों को भूमि के स्वामित्व से जुड़े पुराने अभिलेखों और आदेशों की जानकारी आसानी से मिल सकेगी। इससे भूमि संबंधी रिकॉर्ड को समझने में सुविधा होगी और पुराने दस्तावेजों की जानकारी जुटाने में होने वाली कठिनाई भी कम होगी। धारा 116 पोर्टल से भूमि विभाजन की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 116 के तहत सह-खातेदार द्वारा भूमि के विभाजन का वाद किया जा सकता है। अब इस प्रक्रिया को भी तकनीक से जोड़ते हुए नया पोर्टल शुरू किया गया है। नागरिक भूमि विभाजन के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के बाद नोटिस और उद्घोषणा की प्रक्रिया को भी डिजिटल माध्यम से संचालित और निगरानी में रखा जा सकेगा। संबंधित लेखपाल की रिपोर्ट पोर्टल पर उपलब्ध होगी। भूमि की वास्तविक भौगोलिक स्थिति को देखने के लिए मानचित्र की सुविधा भी दी गई है। इससे न्यायालय और मौके पर होने वाली कार्यवाही के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

ट्यूबवेलों से स्टार्टर और केबल चोरी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

ऐंचौड़ा कम्बोह/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में किसानों के ट्यूबवेलों से स्टार्टर और केबल चोरी करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे और निशानदेही से चोरी का सामान बरामद किया है। बीते बुधवार को ग्राम सतुपुरा निवासी अवधेश कुमार पुत्र गजराम सिंह ने थाना ऐंचौड़ा कम्बोह में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात अभियुक्तों द्वारा उसके तथा पड़ोसी किसानों के ट्यूबवेलों से स्टार्टर व केबल चोरी कर लिए गए हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस

ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। शुक्रवार को थाना ऐंचौड़ा कम्बोह पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रिन्स पुत्र राकेश (21), कपिल पुत्र नेमपाल (23), दीपक पुत्र गंगा सिंह (22) तथा प्रकाश में आए आरोपी मौहम्मद फाजिल पुत्र हुसैन वक्श (40) को घन्सूरपुर से हाजीबेड़ा अस्पताल जाने वाले रास्ते पर गंग नहर की पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपियों की जामा तलाशी से 710 रुपये बरामद हुए। उनकी निशानदेही पर चार स्टार्टर के खोखे, दो प्लास्टिक की केबल (प्रत्येक छह मीटर) तथा स्टार्टर की एक खूंटी बरामद की गई। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2)/ 317(4) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंटरनेट डेटा की खपत में बिहार राज्य देश में सबसे आगे, यूट्यूब बना है पहली पसंद

लखनऊ। मोबाइल फोन के साथ आईपैड की स्क्रीन पर लगातार स्क्रॉलिंग, वीडियो स्ट्रीमिंग और सोशल मीडिया पर सक्रियता ने इंटरनेट की खपत को नई ऊंचाई दे दी है। डेटा व्यय का जब ब्यौरा खंगाला गया तो देश में इंटरनेट इस्तेमाल के मामले में बिहार सबसे आगे है। दूरसंचार के आंकड़ों के अनुसार, बिहार में प्रतिदिन 49.1 पेटाबाइट (पीबी) डेटा का उपयोग किया जा रहा है। यह करीब पांच करोड़ 14 लाख जीबी के बराबर है। इसी प्रकार डेटा खपत के मामले में महाराष्ट्र दूसरे और उत्तर प्रदेश पूर्व परिक्षेत्र तीसरे स्थान पर है। इंटरनेट की इस दुनिया में सिर्फ कनेक्टिविटी ही नहीं बढ़ी है। मनोरंजन के लिए वीडियो देखने व सोशल मीडिया पर समय बिताने के लिए आनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग खूब किया जा रहा है। बिहार में इंटरनेट की बढ़ती पहुंच और स्मार्टफोन के व्यापक इस्तेमाल का असर डेटा खपत में साफ दिखाई दे रहा है। वहां यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर पर रील देखने में खूब डेटा खर्च किया जा रहा है। महाराष्ट्र में प्रतिदिन 48.7 पीबी, जबकि उत्तर प्रदेश पूर्व में 42.31 पीबी डेटा की खपत हो रही है। देशभर में इंटरनेट उपयोगकताओं की पहली पसंद यूट्यूब बना हुआ है। कुल डेटा खपत में यूट्यूब की हिस्सेदारी 24.3 प्रतिशत है। यानी इंटरनेट पर डेटा का करीब एक चौथाई हिस्सा यूट्यूब पर वीडियो देखने में इस्तेमाल हो रहा है। इंस्टाग्राम दूसरे स्थान पर है। इस प्लेटफार्म पर 21.7 प्रतिशत डेटा खर्च किया जा रहा है। फेसबुक की हिस्सेदारी 17.5 प्रतिशत है। इसके बाद गूगल पर सर्चिंग और दूसरी आनलाइन गतिविधियों में डेटा खर्च किया जा रहा है। डेटा खपत के मामले में वाट्सएप पांचवें पायदान पर है। तथ्यों से स्पष्ट है कि इंटरनेट का इस्तेमाल अब केवल बातचीत या जानकारी हासिल करने तक सीमित नहीं है। दूरसंचार विभाग उत्तर प्रदेश पूर्व क्षेत्र के अपर महानिदेशक मनीष त्रिपाठी कहते हैं कि वीडियो और सोशल मीडिया प्लेटफार्म लोगों की डिजिटल दिनचर्या का बड़ा हिस्सा बन चुके हैं। इंटरनेट की खपत के मामले में बिहार जैसे राज्य देश के बड़े और अधिक आबादी वाले परिक्षेत्र को पीछे छोड़ रहे हैं। इससे डिजिटल सेवाओं, मोबाइल इंटरनेट और आनलाइन मनोरंजन की बढ़ती पहुंच का अंदाजा लगाया जा

पीछे से आई मौत की टक्कर, बोलेरो पिकअप सवार तीन की मौके पर मौत

रुद्रपुर से अमृतसर घोड़ों के मेले में जा रहे थे पांच लोग, दो बच्चे बाल-बाल बचे

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना नजीबाबाद क्षेत्र में गुरुवार को उस समय दर्दनाक हादसा हो गया, जब सर्वनपुर तिराहा हाईवे पर खाना खाने के लिए खड़ी बोलेरो पिकअप में पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो पिकअप सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साथ मौजूद दोनों बच्चे सुरक्षित बताए गए हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार 10 सितंबर 2026 को करीब दोपहर एक बजे हादसे की सूचना थाना नजीबाबाद पुलिस को मिली। बताया गया कि बोलेरो पिकअप संख्या ढइ29त्रछ9377 में पांच लोग सवार होकर रुद्रपुर से अमृतसर घोड़ों के मेले में दो घोड़े लेकर जा रहे थे। रास्ते में सर्वनपुर तिराहा हाईवे पर सभी खाना खाने के लिए रुके थे। इसी दौरान पीछे से आए अज्ञात वाहन के चालक ने कथित रूप से तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाते हुए बोलेरो पिकअप में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप में सवार मनदीप सिंह पुत्र लाल सिंह (25 वर्ष), अर्शदीप सिंह (28 वर्ष) तथा एक अज्ञात व्यक्ति (लगभग 27 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में प्रिंस पुत्र परमजीत सिंह (11 वर्ष) और सनी सिंह पुत्र दलेर सिंह (12 वर्ष) सुरक्षित बताए गए हैं। पुलिस के मुताबिक दोनों बच्चों को किसी प्रकार की चोट नहीं आई। सूचना मिलते ही थाना नजीबाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। मृतकों के शवों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बिजनौर भेजा गया। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू करते हुए अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के संबंध में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गोविंद वाल्मीकि बने अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के जिलाध्यक्ष

प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने किया मनोनयन, एक माह में जिला कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान वाल्मीकि ने नगीना की वाल्मीकि बस्ती निवासी गोविंद वाल्मीकि पुत्र गोपीचंद को जनपद बिजनौर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनके मनोनयन से समाज के लोगों में हर्ष की लहर है। जारी प्रेस नोट के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष ने गोविंद वाल्मीकि की संगठन के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। साथ ही उन्हें निर्देशित किया गया है कि वह एक माह के भीतर जनपद की जिला कार्यकारिणी का गठन कर संगठन को मजबूत करने का कार्य करें। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गोविंद वाल्मीकि ने कहा कि वह किसी अन्य संगठन के कार्यों में नहीं उलझेंगे, बल्कि समाज की समस्याओं और नगर पालिकाओं में वाल्मीकि समाज के साथ हो रहे कथित शोषण के खिलाफ विशेष अभियान चलाएंगे।

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य पद पर बने रहना नहीं, बल्कि समाज के हितों के लिए संघर्ष करना और जरूरतमंद लोगों की आवाज को मजबूती से उठाना है।

स्योहारा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, गोवंश कटान के मामले में सात आरोपी गिरफ्तार

पशु कटान के उपकरण बरामद, अवशेषों को जांच के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना स्योहारा पुलिस ने गोवध की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गोवध निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मुकदमे में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे/निशानदेही से पशु कटान में प्रयुक्त होने वाले उपकरण भी बरामद किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में कानून-व्यवस्था एवं अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर 2026 को वादी मोहित जोशी पुत्र कर्णवीर सिंह निवासी मौजीयान, कस्बा व थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर आरोप लगाया कि कुछ लोगों द्वारा गाय को काटकर उसका मांस ले जाने तथा अवशेष जंगल में डालने का मामला सामने आया है। तहरीर के आधार पर थाना स्योहारा में मु0अ0सं0 350/2026, धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान पुलिस ने 10 सितंबर को ग्राम सदाफल के जंगल से गोवंश के अवशेष बरामद किए, जिन्हें परीक्षण के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है।

इसके बाद शुक्रवार को थाना स्योहारा पुलिस ने मुकदमे में वांछित सातों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरियाद पुत्र इमामी, शराफत पुत्र मुस्तकीम, छोटू उर्फ सुहैल पुत्र राजू, बाबू पुत्र कलवा, नन्हे उर्फ इस्लामुद्दीन पुत्र मुस्तकीम, अशरफ उर्फ चुन्नू पुत्र अकबर तथा एहसान पुत्र गामा, सभी निवासी ग्राम सदाफल, थाना स्योहारा, जनपद बिजनौर के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों से एक कुल्हाड़ी, एक चापड़, तीन छुरी, लकड़ी का एक गट्टा तथा रस्सी के दो टुकड़े बरामद किए हैं।

मामले में शिकायत मिलते ही पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच आगे बढ़ाना, मौके से अवशेष बरामद करना और अगले ही दिन सात आरोपियों की गिरफ्तारी करना स्योहारा पुलिस की सक्रियता और त्वरित कार्रवाई को दशार्ता है। पुलिस की तत्परता से मामले में कार्रवाई आगे बढ़ी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रकरण में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।

यूपी में दिव्यांग बच्चों के भविष्य को मिलेगी नई उड़ान, 3 से 7 साल के बच्चों को प्री-स्कूल रेडीनेस के लिए मिजार्पुर में बनेगा नया सेंटर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण, सुगम पुनर्वास और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। इसी दिशा में सरकार ने मिजार्पुर जिले में एक नए 'बचपन डे केयर सेंटर' के भवन निर्माण को प्रशासकीय और वित्तीय मंजूरी दे दी है। इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 328.42 लाख रुपये तय की गई है। कार्य में तेजी लाने के लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 2 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी है। 3 से 7 साल के बच्चों की 'प्री-स्कूल रेडीनेस' पर जोर इस डे केयर सेंटर का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को केवल बुनियादी सहायता देना ही नहीं, बल्कि उन्हें बेहतर सुविधाएं देकर सामाजिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। यह सेंटर विशेष रूप से 3 से 7 वर्ष आयु वर्ग के दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित और मानसिक रूप से मंद बच्चों की प्री-स्कूल रेडीनेस (स्कूली शिक्षा से पहले की तैयारी) के लिए काम करेगा। गौरतलब है कि प्रदेश के 18 मंडलीय जनपदों में ऐसे बचपन डे केयर सेंटर पहले से ही सफलतापूर्वक संचालित किए जा रहे हैं। निर्माण में गुणवत्ता और मानकों पर सख्त निर्देश शासन ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सक्षम स्तर से तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद ही जमीन पर काम शुरू होगा। कार्यदायी संस्था और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की यह जिम्मेदारी होगी कि निर्माण पूरी तरह से निर्धारित मानकों और उच्च गुणवत्ता के साथ हो। काम शुरू करने से पहले सभी जरूरी वैधानिक अनापत्तियां और पर्यावरणीय क्लियरेंस लेना भी अनिवार्य किया गया है। किस्तों में होगा बजट का इस्तेमाल इस संबंध में उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव राकेश कुमार यादव की ओर से निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को आधिकारिक स्वीकृति पत्र जारी कर दिया गया है। आदेश में साफ तौर पर निर्देश दिए गए हैं कि जारी की गई धनराशि का आहरण और खर्च एक साथ न होकर, आवश्यकतानुसार किस्तों में और निर्धारित वित्तीय नियमों के तहत ही किया जाएगा।

294 हेक्टेयर में आकार लेगी मेरठ की हाईटेक न्यू टाउनशिप, मोहिउद्दीनपुर-सिवालखास समेत कोई मुख्य सड़क बंद नहीं करेगा मेडा

मेरठ। दिल्ली रोड पर मोहिउद्दीनपुर समेत चार गांव कायस्थ गांवड़ी, इकला व छज्जूपुर की भूमि खरीदकर मेरठ विकास प्राधिकरण (मेडा) न्यू टाउनशिप विकसित करेगा। 294 हेक्टेयर में विकसित होने वाली इस टाउनशिप के बीच रजवाहा बहता रहेगा तो वहीं इसी के बीच से मोहिउद्दीनपुर-सिवालखास रोड भी गुजरेगी। मोहिउद्दीनपुर- छज्जपुर रोड का भी अस्तित्व बरकरार रहेगा। न्यू टाउनशिप के लिए जो भूमि खरीदी जा रही है उसमें रजवाहा और गांवों को जोड़ने वाली सड़कें भी हैं। बड़े क्षेत्रफल में टाउनशिप विकसित किए जाने के कारण गांवों व आसपास क्षेत्र को जोड़ने वाली सड़कों को न्यूटाउनशिप के कारण बंद नहीं किया जाएगा। रजवाहा भी बंद नहीं किया जा सकता इसलिए उसको भी इसी रूप में रखा जाएगा। इन सड़कों व रजवाहे को देखते हुए टाउनशिप का विकास कार्य होगा। हालांकि टाउनशिप के अंदर जो सड़कें रहेंगी उसकी चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। इसी तरह से टाउनशिप के अंदर से गुजरने वाले रजवाहे के हिस्से को जलस्रोत के रूप में विकसित किया जाएगा ताकि टाउनशिप के सुंदरीकरण पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े। इस टाउनशिप को फेज-वन व फेज-टू के रूप में विकसित किया जाएगा। दोनों फेस को कुल 31 सेक्टरों में बांटा गया है। ये हैं टाउनशिप के अंदर गांवों की रोड मोहिउद्दीनपुर-सिवालखास रोड : इसमें एक तरफ मोहिउद्दीनपुर और दूसरी तरफ कायस्थ गांवड़ी है। यह इकला गांव को जोड़ते हुए सिवालखास चली जाती है। मोहिउद्दीनपुर-सिवालखास रोड से एक सड़क मोहिउद्दीनपुर, इकला व छज्जूपुर को जोड़ती है। दिल्ली रोड से एक सड़क मोहिउद्दीनपुर होते हुए छज्जूपुर को जोड़ती है। टाउनशिप से संबंधित भूमिगांव खरीद का लक्ष्य (हेक्टेयर में) मोहिउद्दीनपुर 111 छज्जूपुर 30 कायस्थ गांवड़ी 130 इकला 21

रात में बिजली कटौती से बढ़ा गुलदार का खतरा, भाकियू ने दी आंदोलन की चेतावनी

ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मांग, एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय की जा रही विद्युत कटौती को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक के पदाधिकारियों में रोष है। यूनियन की बैठक में विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श के बाद तहसील अध्यक्ष नमेंद्र चौधरी के नेतृत्व में पश्चिमांचल विद्युत वितरण खंड नगीना के एसडीओ को ज्ञापन सौंपा गया। किसानों ने रात के समय ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही विद्युत कटौती तत्काल बंद कराने की मांग की।

ज्ञापन में यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले कई दिनों से ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय अत्यधिक विद्युत कटौती की जा रही है। इससे गांवों और खेतों के आसपास अंधेरा छा जाता है, जिसका फायदा उठाकर गुलदार आबादी के नजदीक घूम रहे हैं। इससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है तथा किसानों के पशुओं पर भी गुलदार के हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि बिजनौर जनपद गुलदार प्रभावित क्षेत्र घोषित है और गुलदार के हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में रात के समय बिजली कटौती ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए गंभीर समस्या बन रही है। यूनियन ने विद्युत विभाग से मांग की कि ग्रामीण क्षेत्रों में रात के समय विद्युत आपूर्ति बाधित न की जाए। ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि रात की विद्युत कटौती पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।

ज्ञापन देने वालों में तहसील अध्यक्ष नमेंद्र चौधरी, कोतवाली ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, मुकुल त्यागी, राजीव चौधरी, सर्वेंद्र चौहान, पूरन सिंह, भजन सिंह, सैंपल सिंह, धर्मपाल सिंह, डॉ. देवेंद्र सिंह, राजपाल सिंह, वीरेंद्र सिंह प्रधान, महासचिव धर्मपाल चौधरी, बढ़ापुर ब्लॉक अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह, नगर अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन सिंह सहित संजीव कुमार, नागेंद्र सिंह, पदम सिंह, मंगू सिंह आदि मौजूद रहे।

मेरठ के सागर मलिक बने लेफ्टिनेंट, परिवार की सैन्य विरासत को दिया नया आयाम

मेरठ। गगन विहार, रोहटा रोड निवासी सागर मलिक ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर सिलेक्शन प्राप्त कर परिवार की सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया है। उन्होंने चेन्नई स्थित आफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए) में 11 माह का कठिन सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। सागर मलिक ने प्रारंभिक शिक्षा आर्मी पब्लिक स्कूल कैंट, मेरठ से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अपने पैतृक गांव गोयला, मुजफ्फरनगर के निकट शाहपुर स्थित जवंति पब्लिक स्कूल से शिक्षा ग्रहण की। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने कठिन सैन्य अभ्यास और विभिन्न चुनौतियों को पार करते हुए सफलता हासिल की। सागर के पिता अजय मलिक भारतीय सेना की 71 आर्म्ड यूनिट में सेवा दे चुके हैं। वर्तमान में वह दिल्ली पुलिस में सेवारत हैं। उनकी माता गृहिणी हैं, जबकि छोटा भाई दिल्ली विश्वविद्यालय में विधि की पढ़ाई कर रहा है।

परिवार के अनुसार, सागर ने कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कहा कि सागर के लेफ्टिनेंट बनने से परिवार का गौरव बढ़ा है और सैन्य सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का सपना साकार हुआ है।

कप्तान की सख्ती से लंबे समय से जमे थानेदार-चौकी प्रभारियों की कुर्सियों पर मंडराने लगे बदलाव के बादल, पुलिस महकमे में बड़े फेरबदल की चर्चा

बिजनौर (सब का सपना):- जिले में नए पुलिस कप्तान केके विश्नोई की कार्यप्रणाली को लेकर पुलिस महकमे में हलचल तेज हो गई है। लंबे समय से एक ही थाने और चौकियों पर जमे थानाप्रभारी, थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारियों के बीच अब अपनी कुर्सी बचाने की बेचैनी दिखाई देने लगी है। सूत्रों की मानें तो कप्तान की कार्यशैली को देखते हुए जिले के पुलिस तंत्र में जल्द ही व्यापक फेरबदल हो सकता है। बिजनौर में लंबे समय से पुलिस के महत्वपूर्ण पदों पर तैनाती को लेकर राजनीतिक सिफारिशों और प्रभाव के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। यही वजह है कि नए कप्तान की आमद के बाद सबसे अधिक नजर उन पुलिस अधिकारियों पर है, जो लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात हैं। महकमे में चर्चा है कि कप्तान जल्द ही योग्यता, कार्यक्षमता और अपराध नियंत्रण को आधार बनाकर थानों और चौकियों की समीक्षा कर सकते हैं।

सिफारिशी तंत्र पर लग सकती है लगाम

पुलिस महकमे में यह सवाल भी लंबे समय से उठता रहा है कि क्या थाने और चौकियां राजनीतिक प्रभाव से तय होनी चाहिए या फिर अधिकारी की योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर? आरोप लगते रहे हैं कि कुछ पुलिसकर्मी अपनी तैनाती और चार्ज के लिए सत्ता के गलियारों में सक्रिय रहते हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसा है तो यह पुलिस की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। कहा जाता है कि प्रभावशाली लोगों की पसंद के पुलिस अधिकारियों को महत्वपूर्ण थानों की जिम्मेदारी दिलाने की कोशिशें होती हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस अधिकारी भी राजनीतिक दबाव में काम करने को मजबूर हो सकते हैं। इसका सीधा असर आम जनता की शिकायतों के निस्तारण, अपराध नियंत्रण और पुलिस की निष्पक्ष छवि पर पड़ता है।

मठाधीशी पर कप्तान की नजर

जिले में कुछ थाने और चौकियां लंबे समय से एक ही अधिकारियों के प्रभाव में रहने को लेकर भी चर्चा में हैं। सवाल यह है कि क्या किसी पुलिस अधिकारी का लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहना महज अनुभव और कार्यकुशलता का परिणाम है या इसके पीछे कोई अन्य प्रभाव भी काम कर रहा है?नए कप्तान के सामने चुनौती सिर्फ तबादले करने की नहीं, बल्कि पूरे पुलिस तंत्र की कार्यप्रणाली को व्यवस्थित करने की है। अपराध नियंत्रण, लंबित विवेचनाओं, फरियादियों की सुनवाई, पुलिसकर्मियों के व्यवहार और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर थानेवार समीक्षा से तस्वीर काफी हद तक साफ हो सकती है।

अब कप्तान के फैसले पर टिकी निगाहें

पुलिस महकमे में चर्चा है कि यदि कप्तान ने निष्पक्ष तरीके से थानों और चौकियों की समीक्षा शुरू की तो लंबे समय से जमे अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव संभव है। हालांकि किसी भी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई केवल आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि उसके कार्य, रिकॉर्ड और प्रदर्शन की समीक्षा के बाद ही होनी चाहिए।फिलहाल नए कप्तान की कार्यशैली ने पुलिस महकमे में यह संदेश जरूर दे दिया है कि अब केवल सिफारिश नहीं, बल्कि काम और परिणाम भी मायने रखेंगे। आने वाले दिनों में होने वाले तबादले और तैनातियां यह तय करेंगी कि जिले की पुलिस व्यवस्था में वास्तव में बदलाव आता है या पुराना निजाम ही नए चेहरे के साथ चलता रहता है।

आगरा में 460 बैंक शाखाओं में हड़ताल, प्रभावित हुआ 500 करोड़ का लेनदेन

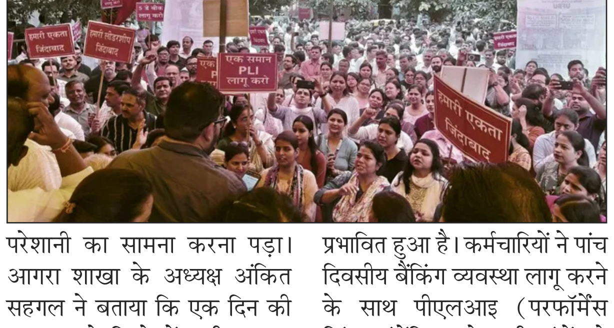

आगरा। यूनाइटेड बैंक फोरम आफ यूनियन (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को की गई देशव्यापी बैंक हड़ताल का असर शहर में भी रहा। जिले की 564 बैंक शाखाओं में से करीब 460 शाखाओं में पूरी तरह कामकाज बंद रहा। सरकारी बैंकों की सभी शाखाएं हड़ताल के चलते बंद रहीं, जबकि प्राइवेट बैंक, जो हड़ताल में शामिल नहीं थीं, वे खुली रहीं। इस दौरान संजय प्लेस से लेकर एमजी रोड तक नारेबाजी करते हुए रैली भी निकाली गई। करीब 500 करोड़ रुपये का बैंकिंग लेनदेन प्रभावित हुआ। हड़ताल के कारण बैंकिंग कार्य कराने पहुंचे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। आगरा शाखा के अध्यक्ष अंकित सहगल ने बताया कि एक दिन की हड़ताल से जिले में करीब 500 करोड़ रुपये का बैंकिंग लेनदेन प्रभावित हुआ है। कर्मचारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने के साथ पीएलआइ (परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव) से जुड़ी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।पदाधिकारियों ने कहा कि पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था अब समय की जरूरत है। साथ ही एकतरफा पीएलआइ व्यवस्था स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी श्रेणी बराबर होनी चाहिए। कर्मचारियों से जुड़े मामलों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता और आपसी सहमति से होना चाहिए। हड़ताल के बाद शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश के चलते बैंक लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। मांगें पूरी नहीं होने पर 28, 29 और 30 सितंबर को फिर हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी समाधान नहीं निकला तो एक अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है।

कम उम्र के बच्चे की कस्टडी मां के पास रहना सामान्य नियम, ढाई साल की बच्ची के मामले में हाईकोर्ट का फैसला

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने ढाई साल की बच्ची की कस्टडी को लेकर अहम फैसला सुनाते हुए उसे उसकी मां को सौंपने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति शालिनी सिंह नागपाल ने कहा कि कानून के तहत पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे की कस्टडी सामान्य तौर पर मां के पास रहनी चाहिए। अदालत ने कहा कि इतनी छोटी बच्ची के लिए मां की देखभाल, स्नेह और भावनात्मक जुड़ाव का कोई विकल्प नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने पिता को 22 सितंबर को बच्ची मां को सौंपने का निर्देश दिया है। पंजाब यूनिवर्सिटी में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत महिला ने हाई कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर कर बताया कि उसकी शादी आठ जुलाई 2022 को हुई थी। दोनों की यह दूसरी शादी थी। महिला के अनुसार शादी के कुछ समय बाद ही पति और ससुराल वालों ने दहेज को लेकर उसे परेशान करना शुरू कर दिया और उसकी तनख्वाह पति के खाते में जमा कराने का दबाव बनाया। महिला ने मारपीट, गर्भावस्था के दौरान उपेक्षा और धमकियां देने के आरोप भी लगाए। वह 12 सितंबर 2025 को ससुराल छोड़कर मायके आ गई थी। उसका आरोप था कि 20

अप्रैल 2026 को पति उसकी ढाई साल की बेटी को मायके से यह कहकर ले गया कि शाम तक वापस छोड़ देगा, लेकिन बाद में बच्ची को लौटाने से इनकार कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि बच्ची को वापस देने के लिए उससे 15 से 20 लाख रुपये की मांग भी की गई।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ेंपिता की ओर से याचिका का विरोध करते हुए कहा गया कि वह बच्ची का जैविक पिता और प्राकृतिक संरक्षक है। इसलिए उसकी कस्टडी को अवैध नहीं कहा जा सकता। उसके अनुसार महिला नौकरी करती है और बच्ची की पर्याप्त देखभाल के लिए उसके पास समय नहीं है।हाईकोर्ट ने कहा कि नाबालिग की कस्टडी के मामले में सबसे महत्वपूर्ण बात बच्चे का कल्याण है। केवल यह कहकर याचिका खारिज नहीं की जा सकती कि पक्षकार के पास किसी अन्य कानून के तहत वैकल्पिक उपाय उपलब्ध है।

पिता की ओर से मां की मानसिक बीमारी का दावा भी ठोस प्रमाण से साबित नहीं हुआ। अदालत ने यह भी ध्यान में रखा कि महिला करीब 13 वर्षों से पंजाब यूनिवर्सिटी में नियमित नौकरी कर रही है। कोर्ट ने बच्ची को मां को सौंपने का आदेश दिया।

आदेश का पालन नहीं होने पर मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और संबंधित थाना प्रभारी को बच्ची की कस्टडी मां को दिलाने के निर्देश दिए गए हैं।

बीजेपी-शिअद का होगा गठबंधन? रामदास अठावले ने पंजाब के लिए बताया फायदेमंद

लुधियाना। केंद्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण राज्यमंत्री रामदास अठावले ने पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा और शिअद में गठबंधन की वकालत की है। पंजाब दौरे पर पहुंचे अठावले ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि शिअद और भाजपा का गठबंधन पंजाब के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआइ) भी इस गठबंधन में शामिल होगी। उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जाति के बीच आरपीआइ का आधार है और वह विधानसभा चुनाव में इसे भुनाने का प्रयास कर रही है। अठावले ने पंजाब दौरे के दौरान अमृतसर और जालंधर का भी भ्रमण किया और गुरु निरंजन दास से भेंट की।लुधियाना में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा के अपमान की निंदा करते हुए अठावले ने इसे आपसी भाईचारे में दरार डालने की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि

मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि पंजाब का भाईचारा बरकरार रहे।किसानों द्वारा अपनी मांगों को लेकर किए जा रहे आंदोलन को अठावले ने उचित करार दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों की हितैषी है और उनकी समस्याएं दूर करने का प्रयास करती है, लेकिन किसानों के मुद्दों को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए। संगरूर में नशे से तंग आकर सरपंच पर आरोप लगाते हुए जहर निगलकर आत्महत्या करने वाले गुलजार सिंह की घटना को अठावले ने दुखदायी बताया। उन्होंने कहा कि इस मामले की कड़ी जांच की जानी चाहिए और दोषी को सजा दिलाई जानी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह का कदम न उठाए।

लुधियाना में दिनदहाड़े युवक का अपहरण, आलमारी में बांधकर पीटा; लड़की के चक्कर में हुआ था विवाद

लुधियाना। घर से टहलने निकले युवक को पांच बदमाशों ने हथियारों के बल पर अगवा करके मारपीट की और उसके परिवार से पांच लाख रुपये फिरौती मांगी। थाना सदर की पुलिस ने इस मामले में पीड़ित पक्ष के बयानों पर करीब सवा महीने बाद आरोपितों पर केस दर्ज कर लिया है। 20 वर्षीय पीड़ित रमन ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि चार अगस्त को वह रोजाना की तरह शाम के समय घर से टहलने के लिए निकला था। रास्ते में पहले से घात लगाकर बैठे सन्नी, गुन्नी, दाना, आर्यन और घुग्गी ने उसे घेर लिया।आरोपितों ने हथियारों के बल पर उसे धमकाया और जबरन अपनी गाड़ी में डालकर अगवा कर लिया। इसके बाद उसे एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया। रमन के मुताबिक आरोपितों ने उसे कमरे में एक अलमारी में बंद कर रस्सियों से बांध दिया। इसके बाद सभी ने उसकी जमकर पिटाई की।मारपीट के दौरान आरोपितों ने उसके मोबाइल फोन का इस्तेमाल

कर परिवार को कॉल की और युवक को छोड़ने के बदले पांच लाख रुपये फिरौती मांगी। आरोपितों ने परिवार को धमकाया कि अगर रकम नहीं दी या पुलिस को सूचना दी तो युवक की हत्या कर देंगे। घटना के बाद किसी तरह युवक आरोपितों के चंगुल से बाहर आया और पुलिस के पास पहुंचकर घटना की जानकारी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने सन्नी, गुन्नी, दाना, आर्यन और घुग्गी समेत अन्य संभावित साथियों के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने, फिरौती मांगने और जान से मारने की धमकी देने सहित संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में छापामारी कर रही है। जांच अधिकारी कांस्टेबल गुरदीप सिंह ने बताया कि दोनों पक्ष पहले आपस में दोस्त थे और एक साथ उठते बैठते थे। कुछ समय पहले उनका एक लड़की को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद आरोपित पक्ष ने पीड़ित पर हमला किया। पहले दोनों पक्षों में बातचीत चल रही थी। इसलिए एफआईआर देरी से दर्ज हुई है।

अमनदीप सैनी आत्महत्या केस में पत्नी समेत छह बरी, आठ साल पुराने मामले में चंडीगढ़ कोर्ट का फैसला

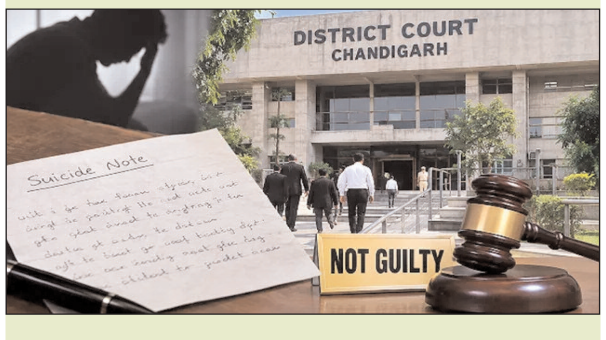

चंडीगढ़। आठ साल पहले सेक्टर-40 निवासी अमनदीप सैनी की आत्महत्या के मामले में जिला अदालत ने छह आरोपितों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। बरी होने वालों में अमनदीप की पत्नी कुलविंदर कौर, ससुर जरनैल सिंह, सास परमजीत कौर, साला गुरजीत सिंह और दो अन्य रिश्तेदार करनैल सिंह और परमजीत कौर शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ सेक्टर-39 थाना पुलिस ने जून 2018 में आईपीसी की धारा 306, 34 के तहत केस दर्ज किया था। अदालत में आरोपितों का केस लड़ने वाले एडवोकेट दीक्षित अरोड़ा ने कहा कि सुसाइड नोट को अहम सबूत माना जा रहा था, लेकिन उसकी सच्चाई पर कई सवाल खड़े हुए। पुलिस यह साबित नहीं कर सकी कि सुसाइड नोट कब और कैसे बरामद हुआ। अमनदीप ने सात जून 2018 को आत्महत्या की, लेकिन अगले दिन तक किसी ने शिकायत नहीं की। यह भी स्पष्ट नहीं हो सका कि सुसाइड नोट मौके पर मिला था या मृतक की बहन द्वारा शिकायत देने के समय।पुलिस को यह भी साबित नहीं कर सकी कि सुसाइड नोट किसने दिया था और क्या यह मृतक ने ही लिखा था। ऐसे में पुलिस की कहानी और सुसाइड नोट पर संदेह पैदा हो गया, जिसका लाभ आरोपितों को मिला।इससे पहले मृतक की बहन ने शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके भाई को उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित कर रहे थे, जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या की। उसने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और उसके परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया था।

पंजाब में फिर बरसेंगे बादल, आने वाले दिनों में कई जिलों में भारी बारिश के आसार

पंजाब : पंजाब के मौसम को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। भारतीय मौसम विभाग चंडीगढ़ ने पंजाब में आने वाले दिनों को लेकर जानकारी साझा की है। कल पंजाब के ज्यादातर जिलों में मौसम सूखा रहेगा, जबकि 13 सितंबर से मौसम बदलेगा। इस दौरान पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और रूपनगर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। हालांकि, 14 और 15 सितंबर को पंजाब और चंडीगढ़ के कई हिस्सों में भारी बारिश की पूरी संभावना है। आपको बता दें कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के ज्यादा से ज्यादा तापमान में 0.3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है, जो नॉर्मल से करीब 2.7 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग के डेटा के मुताबिक, वीरवार को पंजाब में सिर्फ 2 जगहों पर बारिश रिकॉर्ड की गई, जिसमें लुधियाना में 11.4 ` और रूपनगर में 0.5` बारिश रिकॉर्ड की गई। तापमान की बात करें तो चंडीगढ़ में ज्यादा से ज्यादा तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। दूसरी ओर, पंजाब में पटियाला सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रूपनगर में अधिकतम तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

होशियारपुर में 7 नवंबर तक लगी सख्त पाबंदियां! DC ने जारी किए आदेश

होशियारपुर : डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट होशियारपुर आशिका जैन ने इंडियन सिविल प्रोटेक्शन कोड 2023 के सेक्शन 163 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। जारी किए गए आदेशों के तहत, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने जिले में बिना लाइसेंस के प्रेगाबालिन कैप्सूल रखने, तय मात्रा से ज्यादा रखने/बेचने और डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना इस दवा की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। इन आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही गर्मियों में शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक और सर्दियों में शाम 5 बजे से सुबह 7 बजे तक जिले में मवेशियों के ट्रांसपोर्टेशन पर रोक लगाने के आदेश जारी करने के अलावा, जिनके पास मवेशी हैं, उन्हें एनिमल हस्बैंड्री डिपार्टमेंट में रजिस्टर कराने के भी आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा, व्यक्ति/सामाजिक या धार्मिक संगठनों, धार्मिक जगहों, शादी पार्टियों या दूसरे फंक्शन में किसी भी भाईचारे के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण देने पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी। होशियारपुर के ग्रामीण और शहरी इलाकों में कोई भी व्यक्ति या पंचायत या म्युनिसिपल काउंसिल या नगर पंचायत संबंधित सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट की पहले से लिखी हुई मंजूरी के बिना कोई तालाब नहीं भरेगा। एक और आदेश जारी करते हुए, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ने सभी गांवों में गलियों/सड़कों पर गैर-कानूनी बोरिंग पर भी रोक लगा दी है। ये सभी आदेश 7 नवंबर, 2026 तक लागू रहेंगे।

बुआ को मौत को घाट उतारने का मामला, आरोपी भतीजा गिरफ्तार

अबोहर (सुनील भारद्वाज): नगर थाना नं 1 पुलिस ने ढाणी डंडावाली में बुआ को मौत को घाट उतारने वाले युवक सुखविन्द्र सिंह उर्फ निक्का पुत्र भगवान सिंह को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। युवक को न्यायिक दंडाधिकारी भूपिंद्र मित्तल की अदालत में पेश किया गया जहां से उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। गौरतलब है कि 20 अगस्त को 80 वर्षीय इसरो बाई पत्नी दलीप सिंह घर पर बैठी थी कि आरोप के अनुसार इसरो का भतीजा सुखविंदर सिंह पुत्र भगवान सिंह जो कि नशे का आदी है, अक्सर अपने माता पिता से मारपीट करता है। उस दिन भी वह अपने पिता से मारपीट कर रहा था तो सुखविंदर का पिता अपने बचाव के लिए अपनी बहन इसरो के घर में आ गया। इस दौरान तैश में आया सुखविन्द्र भी उनके घर में पहुंचा और फिर से पिता से मारपीट शुरू कर दी। जब उसकी बुआ इसरो ने अपने भाई को बचाना चाहा तो उक्त सुखविंदर ने तैश में आकर घर में पड़ी लाठी से उसके सिर पर कई प्रहार किये और उसके घायल कर मौके से भाग गया। इसके बाद परिजनों ने घायल इसरो को उपचार के लिए अबोहर के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर उसके सिर में गहरी चोटों को देखते हुए सिटी सकैन व बेहतर इलाज के लिए रैफर कर दिया जिस पर परिवार वाले उसे फरीदकोट ले गए। जहां गत रात इसरो बाई ने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने मनजीत कौर पत्नी अवतार सिंह के बयानों पर 5.09.26 को बीएनएस की धारा 105 के तहत सुखविन्द्र सिंह उर्फ निक्का के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था।

बीएसएफ कर्मी ने पत्नी को कत्ल करने के बाद की खुदकुशी, मौके पर मचा हड़कंप

फाजिल्का : थाना सदर फाजिल्का पुलिस ने बी.एस.एफ. हेडक्वार्टर में एक सिपाही द्वारा अपनी पत्नी का कत्ल करने के बाद खुद द्वारा खुदकुशी किए जाने पर मामला दर्ज किया है। थाना सदर फाजिल्का के एस.एच.ओ. हरदेव सिंह बेदी ने बताया कि पुलिस को रसिक कुमार कमांडेंट बी.एस.एफ. ने बताया कि बी.एस.एफ. हेडक्वार्टर के कमरा नंबर 29 में सिपाही दिनेश कुमार ने आज सुबह अपनी पत्नी पिंकी का तेजधार हथियार से कत्ल कर दिया और खुद भी छत वाले पंखे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि सिपाही द्वारा अपनी पत्नी का कत्ल का कारण झगड़ा बताया गया है। पुलिस ने सिपाही दिनेश कुमार थाना मखानपुर, जिला फिरोजाबाद वासी यू.पी. के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कपूरथला बार चुनाव में 34 वोटों से हुई RPS बाजवा की जीत, मनप्रीत वालिया को सचिव पद की मिली जिम्मेदारी

कपूरथला। कपूरथला जिला बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। मतदान के बाद एडवोकेट आरपीएस बाजवा को नया प्रधान और एडवोकेट मनप्रीत सिंह वालिया को सचिव चुना गया। परिणाम घोषित होते ही कचहरी परिसर में समर्थकों ने ढोल की थाप पर भांगड़ा डालकर जीत का जश्न मनाया। चुनाव शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए एडवोकेट हमीश कुमार को मुख्य रिटर्निंग अधिकारी बनाया गया था। उनके साथ एडवोकेट दर्शन सिंह और एडवोकेट अमृतपाल ने चुनाव संचालन में सहयोग किया। बार के कुल 353 पंजीकृत मतदाताओं में से 329 वकीलों ने मतदान किया।बाजवा ने नितिन शर्मा को 34 मतों से हराया

प्रधान पद के मुकाबले में आरपीएस बाजवा को 180 मत मिले, जबकि नितिन शर्मा को 146 मत प्राप्त हुए। इस पद के लिए तीन मत रद्द घोषित किए गए। इस तरह बाजवा ने 34 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।सचिव पद पर भी कड़ा मुकाबला हुआ। मनप्रीत सिंह वालिया को 169 मत मिले, जबकि नवीन कपूर को 158 मत प्राप्त हुए। वालिया ने 11 मतों के अंतर से जीत हासिल की।

महिला आरक्षित पदों पर भी स्पष्ट जीत उपप्रधान के पद पर हरप्रीत कौर बग्गा ने 200 मत हासिल कर जीत दर्ज की। उनकी प्रतिद्वंद्वी दीपिका शीतल को 125 मत मिले। संयुक्त सचिव के पद पर विवेका झाखू विजयी रहीं। उन्हें 213 मत मिले, जबकि कोमल कुमारी सिंह को 112 मत प्राप्त हुए। इस पद पर दो मत रद्द किए गए। वकीलों के हितों को बताया प्राथमिकता परिणाम की घोषणा के बाद रिटर्निंग टीम ने विजयी उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र सौंपे। नवनिर्वाचित प्रधान आरपीएस बाजवा और सचिव मनप्रीत वालिया ने सभी वकीलों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बार और बेंच के बीच बेहतर तालमेल, वकीलों की सुरक्षा, कल्याण कोष और बार कक्ष की सुविधाओं में सुधार उनकी प्राथमिकता रहेगी।

जीत के बाद वरिष्ठ और युवा अधिवक्ताओं ने नई टीम को बधाई दी और मुंह मीठा करवाया। कई अधिवक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के सफल कार्यकाल की कामना की।

टारगेट किलिंग की बड़ी कोशिश नाकाम : दुबई से लौटे दो व्यक्ति दो पिस्तौल समेत गिरफ्तार

पठानकोट : पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) पठानकोट ने विदेश में बैठे एक व्यक्ति द्वारा रची गई टारगेट किलिंग की साजिश को नाकाम करते हुए उसके दो गुर्गों को दो आधुनिक .30 बोर पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूसों समेत गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान रविंदर सिंह उर्फ ढिल्लों निवासी ढिलवां, बटाला और जशनप्रीत सिंह निवासी गांव बल्ल, गुरदासपुर के रूप में हुई है। पिस्तौल

बरामद करने के अलावा पुलिस टीमों ने उनका बिना नंबर वाला बिल्कुल नया स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त कर लिया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी विदेश स्थित एक हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे और उन्हें सौंपे गए काम को अंजाम देने के लिए हाल ही में दुबई से लौटे थे। डीजीपी ने कहा कि विदेश स्थित हैंडलरों से जुड़े अन्य कार्यकताओं की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है। कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए एआईजी सीआई पठानकोट सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि पुलिस को पुख्ता सूचना मिली थी कि मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्ति, जिनके पास हथियार हैं, टारगेट किलिंग को अंजाम देने के लिए गुरदासपुर से बटाला की ओर जा रहे हैं। और ये भी पढ़ेउन्होंने बताया कि सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सीआई पठानकोट की टीमों ने इलाके की घेराबंदी की, जिसके परिणामस्वरूप दोनों संदिग्धों–रविंदर सिंह उर्फ ढिल्लों और जशनप्रीत सिंह–को गुरदासपुर के बाहरी इलाके से उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब वे अपने मोटरसाइकिल पर जा रहे थे। उन्होंने आगे बताया कि तलाशी के दौरान उनके कब्जे से दो .30 बोर पिस्तौल और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए। इस संबंध में थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी), अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 61(2) के तहत एफआईआर नंबर 57, दिनांक 10.09.2026 दर्ज की गई है।

गुलजार सिंह केस पर आमने-सामने भज्जी-बैंस, सोशल मीडिया पर बढ़ी तकरार

पंजाब : संगरूर के दिड़बा में गुलजार सिंह की मौत का मामला अब सियासी बयानबाजी का केंद्र बनता जा रहा है। भाजपा नेताओं के गांव पहुंचने और कथित विरोध को लेकर पंजाब के मंत्री हरजोत बैंस के दावे पर पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने पलटवार किया है। AAP छोड़ने के बाद हरभजन सिंह लगातार पार्टी नेताओं पर सोशल मीडिया के जरिए निशाना साध रहे हैं। अब गुलजार सिंह मामले को लेकर बैंस और हरभजन सिंह के बीच एक्स पर हुई बयानबाजी ने पंजाब की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैंस को जवाब देते हुए कहा कि पहले अपने तथ्य सही करने चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि बैंस को अपने "चमचों" से सही जानकारी लेनी चाहिए, जो गुलजार सिंह के परिवार से मिलने गए थे। हरभजन सिंह यहीं नहीं रुके। उन्होंने बैंस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि "आपकी पूरी बदमाशी चलती है जनाब, आप जो चाहें कर सकते हैं।" इसके साथ ही उन्होंने गुलजार सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि जब अंतिम संस्कार जबरदस्ती करवाया जा सकता है, तो उनके छोड़े हुए लोग किसी का रास्ता भी रोक सकते हैं।दरअसल, मंत्री हरजोत बैंस ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने दावा किया था कि गुलजार सिंह के परिवार से मिलने गांव पहुंचे भाजपा नेताओं का ग्रामीणों ने विरोध किया।बैंस के मुताबिक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, सुनील जाखड़ और अन्य नेता गांव पहुंचे थे, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के चलते उन्हें वापस लौटना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता गुलजार सिंह की मौत पर सियासी फायदा उठाने की कोशिश कर रहे थे। बैंस ने इसे लेकर ग्रामीणों के गुस्से को "मौकापरस्त राजनीति" के खिलाफ जनता का जवाब बताया।

नशे के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में हेरोइन समेत 2 गिरफ्तार

फरीदकोट : युद्ध नशों के विरुद्ध अभियान के तहत फरीदकोट पुलिस के सी.आई.ए. स्टाफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 किलो 221 ग्राम हेरोइन समेत तरनतारन जिले से संबंधित 2 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। इस संबंध में थाना सदर फरीदकोट में एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एस.एस.पी. फरीदकोट गुरबंस सिंह बैंस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुदागर सिंह उर्फ घुल्ला (28) पुत्र सलविंदर सिंह निवासी करमूवाला, जिला तरनतारन तथा कंवलजीत खान उर्फ कम्मू (27) पुत्र मंगा निवासी करमूवाला, जिला तरनतारन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 10 सितंबर को एस.आई. हाकम सिंह, सहायक इंचार्ज सी.आई.ए. स्टाफ की अगुवाई में पुलिस पार्टी द्वारा अमृतसर-बठिंडा

नेशनल हाईवे-54 पर गांव चंदबाजा के नजदीक नाकाबंदी कर संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान तलवंडी भाई की ओर से मोटरसाइकिल पर आ रहे 2 युवकों ने पुलिस पार्टी को देखकर मोटरसाइकिल पीछे मोड़कर भागने का प्रयास किया, जिन्हें पुलिस ने तुरंत काबू कर लिया। डी.एस.पी. (डी) फरीदकोट अवतार सिंह राजपाल की निगरानी में की गई तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 12 किलो 221 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी यह खेप सीमावर्ती क्षेत्र से लाकर फरीदकोट तथा आसपास के इलाकों में सप्लाई करने की तैयारी में थे।

एस.एस.पी. बैंस ने बताया कि आरोपियों के बैकवर्ड व फारवर्ड लिंक, सप्लाई चेन तथा इस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की गहनता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि कंवलजीत खान उर्फ कम्मू के खिलाफ पहले भी थाना चोहला साहिब, जिला तरनतारन में एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत मामला दर्ज पाया गया है। इस संबंध में थाना सदर फरीदकोट में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल करने की कार्रवाई की जा रही है, ताकि नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जा सके।

होने वाले बच्चे के विकास पर असर डालता है सीलिएक रोग

गर्भवती महिलाएं बरतें सावधानियां

सिलिएक रोग एक अनुवांशिक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो बच्चे के विकास को प्रभावित करता है। ऐसे में गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं हाई फाइबर का सेवन करें और ग्लूटेन खाने से परहेज करें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को इस रोग का खतरा कम हो सकता है।

सीलिएक छोटी आंत की बीमारी है या कहा जा सकता है कि यह कुछ खानपान से होने वाली एलर्जी है। जब खाना ग्लूटेन से निकलता है, तो यह आपके पाचन तंत्र को प्रभावित करता है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं होती हैं। सीलिएक रोग एक ऑटोइम्यून रोग है। सीलिएक रोग एक गंभीर रोग है। सीलिएक रोग गर्भवती महिलाओं से उनके होने वाले बच्चे के विकास पर भी असर डालता है। सिलिएक रोग के कारण बच्चे की ग्रोथ रूक जाती है, जैसे बच्चे की लंबाई पर इसका असर देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि क्या है सिलिएक रोग और इसके प्रमुख लक्षण।

क्या है सिलिएक रोग

सिलिएक रोग एक ऑटोइनयुमिन रोग है, जो कि छोटी आंत से जुड़ा रोग है। सीलिएक रोग प्रतिरक्षा प्रणाली की वजह से होने वाली बीमारी है, जो कि ग्लूटेन खाने की वजह से होती है, जिसमें कि शरीर की रोग प्रतिरोधक्षमता अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ने लगती है और यह पाचन तंत्र को प्रभावित करती है। यह बीमारी गेहूं, जौ, ओट्स और अन्य साबुत अनाजों से होने वाली बीमारी है, क्योंकि गेहूं, जौ एवं ओट्स में ग्लूटेन नामक प्रोटीन पाया जाता है। सिलिएक रोग व्यक्ति की छोटी आंत को ही नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि कई शारीरिक विकार भी पैदा करता है।

सिलिएक रोग के लक्षण

सिलिएक रोग मुख्यत: पेट की समस्याओं से जुड़ा है, लेकिन बच्चों में यह रोग उनके शारीरिक विकास पर भी बाधा डालता है। इस रोग के कुछ मुख्य लक्षण हैं जैसे- कब्ज, दस्त, पेट में दर्द या पेट का फूलना, थकान, सिर दर्द, उल्टी आना, बाल झड़ना या शरीर में निशान व दानें आना। इसके अलावा शरीर का वजन कम होना, हड्डियों की बीमारी, खून की कमी और बार-बार गर्भपात भी हो सकता है।

अपने आहार में अनाज के साथ ही फल और सब्जियों को करें शामिल

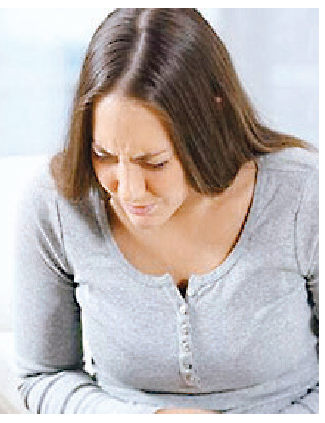

- गर्भावस्था के दौरान यदि महिलाएं यह सावधानी बरतें, तो वह अपने होने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से दूर रख, इसके खतरे को कम कर सकती हैं। अध्ययन बताते हैं कि गर्भावस्था के दौरान यदि महिला फाइबर युक्त आहार का सेवन करती है तो वह उसके एवं आने वाले बच्चे के लिए फायदेमंद होता है।
- गभर्वती महिलाओं को गेहूं के आटे के बजाय बेसन का इस्तेमाल करना चाहिए।
- ऐसे में आपको अपने आहार में चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, दूध व दूध से बने उत्पाद और फल-सब्जियों को शामिल करना चाहिए। इससे आप स्वयं व अपने आने वाले बच्चे को सीलिएक रोग से बचाव कर सकते हैं।
- इसके अलावा साबुदाना की खिचड़ी, सिंगाड़े के आटे से बनने वाली रोटी, चिड़वा, मूंग दाल का हलवा और चीला खा सकते हैं, क्योंकि कई बार गर्भावस्था के दौरान कई कुछ खाने का मन होता है, तो आप चटपटी आलू की टिक्की या घर में बनी मावे की मिठाई व हलवा ले सकते हैं।
- अधिकतर प्रोस्टेट फूड्स में गेहूं, जौ या राई शामिल होता है। इसलिए इस पर लगे लेबल को जरूर देखें कि इसमें ग्लूटेन मात्रा शामिल है या नहीं।

इसके अलावा बियर से भी परहेज बरतें, क्योंकि इसमें भी गेहूं, जौ एवं राई शामिल होता है।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- आलू: 3 (उबले और मैश किए हुए)
- गाजर: 1/2 कप (बारीक कटी हुई)
- मेथी: 1/4 कप
- बीन्स: 3-4 कप (बारीक कटी)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च: स्वाद के अनुसार
- ब्रेड क्रम्स: 1 कप
- तेल: तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार हैं वेजिटेबल फिंगर्स।

हांडी पनीर

सामग्री

- पनीर: 200 ग्राम
- अदरक घिसा हुआ
- हल्दी: 1/2 चम्मच
- टमाटर: 1
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च: चुटकीभर
- पानी: 1/2 कप
- प्याज: 3 बारीक कटे
- दही: 1/2 कप
- धनिया: बारीक कटी
- तेल: आवश्यकता के अनुसार
- नमक: स्वाद के अनुसार

विधि

हांडी में तेल गर्म होने के लिए रख दें, अब इसमें बारीक कटा प्याज डालकर भुनें। इसके बाद इसमें अदरक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च, गरम मसाला डाल दें। थोड़ी देर भुनने के बाद इसमें टमाटर, हरी मिर्च डालकर पकाएं। इसके बाद इसमें दही डालें और उसे तब तक सूखने तक चलाते रहें, इसके बाद इसमें नमक और पानी डालकर उबाल आने तक और पकाएं। अब बारी है इसमें पनीर मिक्स करने की। इसके बाद हरी धनिया डाल दें। सबसे बाद में काली मिर्च डालें और तैयार है आपका हांडी पनीर।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 4006

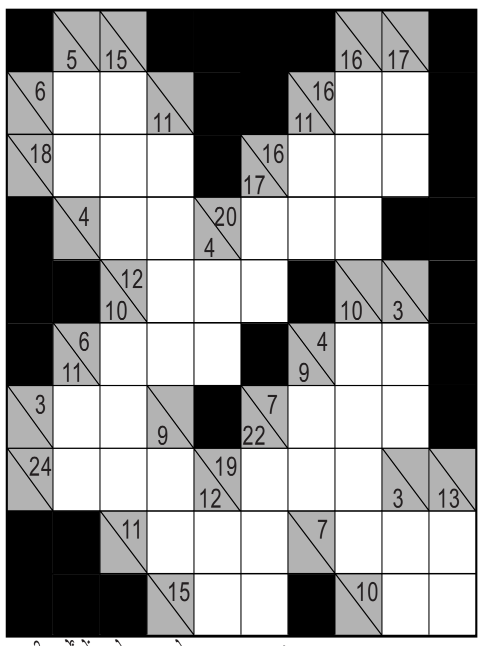

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

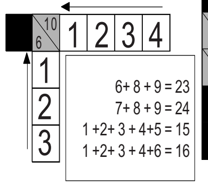

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4005 का हल

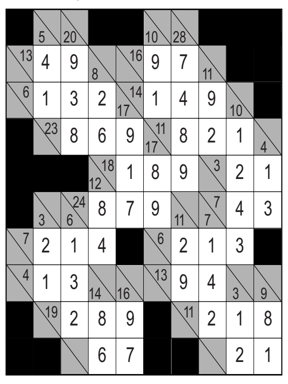

हंसी के फूव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'
'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.
'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.
'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?
रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

□ □ □

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा- 'यह साइकिल तुम्हारी है?'
'जी नहीं.'
'तुम्हारा नाम'
'जी वह मेरा अपना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 4006

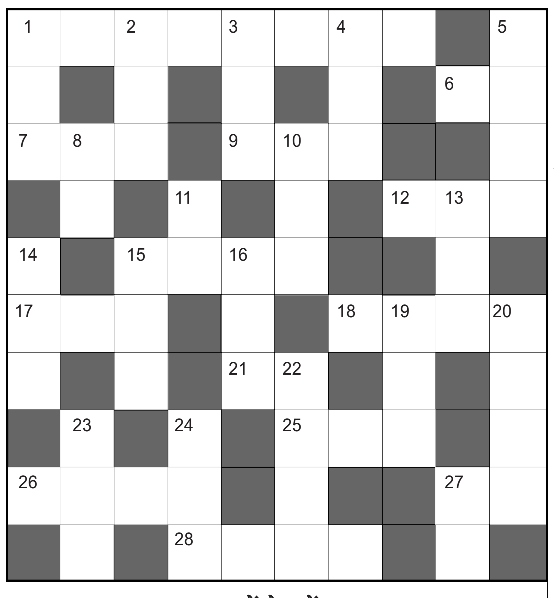

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौंन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4005

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -4006

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4005 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्द पहेली - 4006

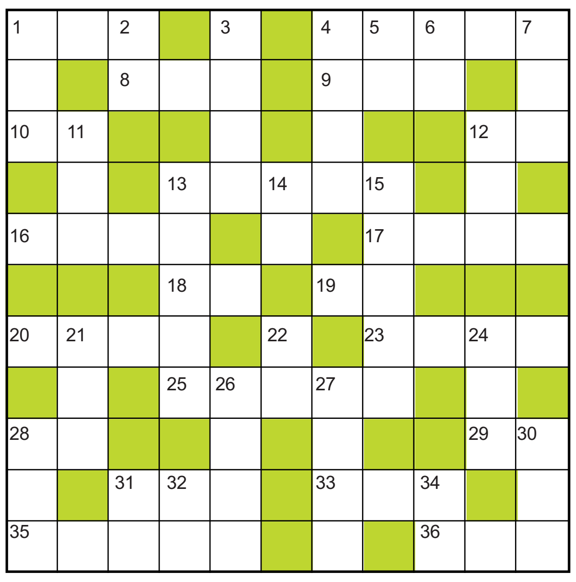

बाएँ से दाएँ

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -4005 का हल

ना	म	क	मा	ना		स	म	झ	दा	र
म		र	ह	म		म	द	न		म
र	त			ची		झो			वा	णी
ख	स		ना	न	ख	ता	ई		रा	य
ना	ला	य	क		त्म		मा	त	ह	त
			क	था		का	न			
प	न	घ	ट		आ		दा	न	वी	र
व	र		ना	ना	स	सु	र		र	वि
न	म			म		चा			ता	न
सु		आ	स	व		ल	ह	र		य
त	ल	ब	गा	र		न	क	ब	ज	न

मिर्जापुर द मूवी: सीरीज से कितनी अलग है फिल्म?

पंकज त्रिपाठी, दिव्येंदु और अली फजल की मच अवेटेड फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। जहां फिल्म में कुछ पुराने किरदारों की वापसी हुई है, वहीं कुछ ऐसे किरदार हैं, जो इस फिल्म में नए इंट्रोड्यूस हुए हैं।

इन किरदारों में कोई बदलाव नहीं

कालीन भैया– सीरीज की तरह मिर्जापुर द मूवी में पंकज त्रिपाठी ही कालीन भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
गुड्डू भैया– अली फजल एक बार फिर फिल्म के जरिए गुड्डू भैया के किरदार में नजर आ रहे हैं।
मुन्ना भैया– 'मिर्जापुर द मूवी' में दिव्येंदु की वापसी हो रही है। इन्होंने सीरीज में भी काफी भौकाल मचाया था। इनकी एंट्री को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट है।
डिंपी, स्वीटी और गोलू– फिल्म में डिपी का किरदार हर्षिता गौर, स्वीटी का किरदार श्रिया पिलगांवकर और गोलू के किरदार में फिर से श्वेता त्रिपाठी नजर आती हैं।
बबलू पंडित– फिल्म में सबसे बड़ा बदलाव बबलू पंडित के किरदार में हुआ है। सीरीज में ये किरदार विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन फिल्म में जितेंद्र कुमार इस रोल को निभाते नजर आएंगे।

इन नए किरदारों की हुई एंट्री

बब्बन बबुआ– फिल्म में रवि किशन की एंट्री हुई है, जो बब्बन बबुआ के रोल में नजर आते हैं।

भैरव सिंह कर्णावत– इस नए किरदार में आपको सुशांत सिंह नजर आएंगे।

मुमताज बीबी – सोनल चौहान भी इस फिल्म में मुमताज बीबी के किरदार में नजर आएंगी, जो सीरीज में नहीं थीं।

बिरजू लोहार – बिरजू लोहार के रोल के साथ मोहित मलिक भी इस फिल्म के अहम किरदारों में नजर आएंगे।

ये किरदार हैं मिसिंग

ललित – सीरीज में मुन्ना भैया के साथ रहने वाला ललित इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे, क्योंकि उनका दिसंबर 2021 में निधन हो गया था।
एसपी परशुराम– सीरीज में स्वीटी और गोलू के पापा का किरदार निभाने वाले शहनवाज प्रधान भी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।
त्यागी परिवार– चूंकि फिल्म पहले सीजन के कुछ हिस्सों पर बनी है, इस वजह से इसमें त्यागी परिवार का कोई सीन नहीं है।
माधुरी यादव– सीरीज में पॉलिटिशियन और मुन्ना भैया की पत्नी का किरदार निभाने वाली ईशा तलवार भी इस फिल्म में नहीं हैं।

अर्जुन बिजलानी ने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बात की

टीवी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले अभिनेता अर्जुन बिजलानी इन दिनों अपने काम को लेकर काफी व्यस्त हैं लेकिन वह काम के साथ–साथ अपने परिवार को भी अहमियत देते हैं। साथ ही, कोशिश करते हैं कि बिजी शेड्यूल के बीच अपनों के लिए समय निकाल सकें। उन्होंने अपने काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर बातचीत की।
अर्जुन बिजलानी ने बात करते हुए काम और परिवार के बीच तालमेल को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि हर पेशे में कुछ न कुछ समझौते करने पड़ते हैं। कई बार काम की वजह से जिंदगी के कुछ निजी और खास पल छूट जाते हैं लेकिन अर्जुन इसे अपने पेशे का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें वह काम करने का मौका मिल रहा है, जिसे वह दिल से पसंद करते हैं। ऐसे में उनके लिए सबसे जरूरी बात यह है कि काम के साथ परिवार के लिए भी समय निकाला जाए।
आईएएनएस से अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''मैं काम को लेकर अपनी जिम्मेदारी समझता हूं लेकिन परिवार की जरूरतों और भावनाओं को भी नजरअंदाज नहीं करता। बात सिर्फ सही संतुलन बनाने की है।''उन्होंने कहा, 'यह संतुलन बनाना मेरे लिए एक तरह की लगातार चलने वाली कोशिश है। शूटिंग और दूसरे कामों के बीच जब भी मुझे मौका मिलता है, मैं अपने परिवार के साथ समय बिताने की कोशिश करता हूं। मेरे लिए जरूरी नहीं कि त्योहार सिर्फ घर पर रहकर ही मनाया जाए बल्कि जहां मैं हूं, वहीं खुशियां बांटना भी मेरे लिए मायने रखता है।'
अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कई ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के कारण मैं परिवार के साथ महत्वपूर्ण मौकों पर उनके पास नहीं रह पाया। लगातार शूटिंग और काम की वजह से ऐसा होना मेरे लिए आसान नहीं रहा। हालांकि, वह अपने परिवार को लेकर काफी खुशकिस्मत महसूस करते हैं, क्योंकि उनके मुताबिक परिवार उनके काम की मजबूरियों को समझता है और हर समय उनका साथ देता है। अर्जुन ने कहा, ''मेरे करियर में कभी–कभी ऐसे मौके आए हैं, जब पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते मुझे कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर भी परिवार से दूर रहना पड़ा। हालांकि, मैं इस बात को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरा परिवार मेरे काम को समझता है और हमेशा मेरा साथ देता है।

पिता सचिन पिलगांवकर की ट्रोलिंग पर श्रेया का करारा जवाब

दिग्गज अभिनेता और फिल्मकार सचिन पिलगांवकर पिछले छह दशक से ज्यादा समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। पिछले कुछ समय से वह अपने इंटरव्यूज को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे है, जिसके बाद सपोर्ट में उनकी बेटी श्रेया पिलगांवकर उतरीं और कहा कि जो लोग उनको इंटरनेट पर ट्रोल कर रहे हैं, वही लोग जब सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। श्रेया ने खास बातचीत में कहा, ''लोगों को शायद इस बात का अंदाजा नहीं है कि मेरे पिता ने अपने लंबे करियर में कितना कुछ देखा और सीखा है। उनके पास फिल्मी दुनिया का 60 साल से ज्यादा का अनुभव है और इतने लंबे सफर में उन्होंने इंडस्ट्री के कई दौर अपनी आंखों से देखे हैं। इसलिए जब उनसे उनके जीवन या करियर को लेकर सवाल किया जाता है, तो वह अपने अनुभव साझा करते हैं और इसमें कुछ भी गलत नहीं है।''
श्रेया ने कहा, ''अगर सोचा जाए, किसी ऐसे व्यक्ति को बातचीत के लिए बुलाया जा रहा है, जिसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा फिल्म इंडस्ट्री में बिताया है, तो जाहिर है कि वह अपने अनुभवों के बारे में ही बात करेगा। मेरे पिता कई इंटरव्यूज में अपने करियर, जिंदगी और इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवों को साझा करते रहे हैं। इसमें मेरा मानना है कि लोगों को उनकी बातों को इसी नजरिए से देखना चाहिए, न कि हर बात को विवाद बनाने की कोशिश करनी चाहिए।''
उन्होंने आगे कहा, ''मनोरंजन जगत में ऐसा अक्सर देखने को मिलता है कि जो लोग किसी कलाकार को इंटरनेट पर ट्रोल करते हैं, वही लोग जब उससे सामने मिलते हैं तो तस्वीर खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं। यह शोबिज की एक अजीब सच्चाई है। इंटरनेट पर किसी के बारे में कुछ और राय दिखाई देती है, जबकि आमने–सामने मिलने पर लोगों का व्यवहार बिल्कुल अलग होता है।'' श्रेया ने कहा, ''मैं और मेरा परिवार इस फर्क को अच्छी तरह समझता है। जब हम असल जिंदगी में लोगों के बीच जाते हैं तो हमें ज्यादातर प्यार ही मिलता है। इसलिए सोशल मीडिया पर चलने वाली नकारात्मक चर्चाएं हमें उतनी वास्तविक नहीं लगतीं। मेरे लिए असल मायने उस व्यवहार के हैं, जो लोगों से आमने–सामने मिलने पर मिलता है।'' अभिनेत्री ने कहा, ''कुछ लोग सिर्फ ध्यान खींचने के लिए भी ऐसी बातें करते हैं। कुछ लोगों के लिए दूसरों की सफलता और खुशी देखना भी आसान नहीं होता। जब कोई व्यक्ति जिंदगी की परेशानियों में उलझा होता है, तो कई बार वह दूसरे की खुशी या सफलता को भी उसी नजर से देखने लगता है। ऐसी बातों में उलझने के बजाय लोगों को अपना ध्यान प्यार और अच्छी चीजों पर रखना चाहिए।'' श्रेया जल्द ही निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'हैवान' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार खलनायक की भूमिका में हैं। फिल्म में बोमन ईरानी और सैयामी खेर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

जो हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया

जानी–मानी अभिनेत्री श्रुति हासन ने साउथ हो या बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में संतुलन साधना सीखा है। आठ साल की उम्र से बाल कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत करने वाली श्रुति का मानना है कि बीते सालों में सिनेमा ने उन्हें काफी मजबूत बनाया है। श्रुति उन अभिनेत्रियों में से हैं जो मुद्दों पर बात करने में पीछे नहीं रहतीं। वे कहती हैं, 'मैं हमेशा से उन बातों पर अपना टेक या विचार रखना पसंद करती हूं, जो मेरा अपना अनुभव हो या जिसे मैंने करीब से देखा हो। मैंने आज तक उन रैंडम टॉपिक, पॉलिटिकल या सोशल विषयों पर बात नहीं की, जिसकी मुझे जानकारी न हो। मैं अपने अनुभवों के आधार पर बात करना पसंद करती हूं।'
पिता कमल हासन की अभिनय की विरासत को आगे बढ़ाने वाली श्रुति साउथ के प्रभास, रजनीकांत, पवन कल्याण, विजय सरीखे सुपर स्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं। हमने जब उनसे जानना चाहा कि आज दक्षिण के कलाकारों को पैन इंडिया स्टार कहा जा रहा है, बॉलिवुड और साउथ इंडस्ट्री की दूरी को पाटने की कोशिश लगातार जारी हैं, मगर क्या उन्हें लगता है कि वो अंतर अभी भी है, तो इस पर वे कहती हैं, 'असल में हमारे देश में अनगिनत अलग –अलग कल्चर और भाषाएं हैं।
श्रुति हासन ने कहा, 'हमारे देश के बारे में कहा जाता है कि विविधता में एकता है, मगर वो विविधता कभी घटती नहीं। आप अगर विकास में यकीन करेंगे, तो चाहे आप सिनेमा हों या मेडिसिन अथवा शिक्षा, विविधता को सकारात्मक रूप में लेंगे, मगर यदि आप संकीर्ण विचारधारा रखेंगे, तो यही डायवर्सिटी आपको नकारात्मक लगेगी। यह सोच और व्यक्ति दर व्यक्ति पर निर्भर करता है। मैं इसे पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। इससे हमें नयी कहानियां मिलती हैं, नया नजरिया मिलता है। हर प्रदेश में एक विशिष्टता है।'
आज श्रुति का शुमार दक्षिण की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में शुमार है, मगर अपने करियर में उन्होंने भी मुश्किल वक्त देखा। वे कहती हैं, 'मैंने जब लक से अपने करियर की शुरुआत की, तब मेरे काम को दर्शकों ने नकार दिया था। लोगों ने मेरी काफी आलोचनाएं कीं। वह मेरे लिए सबसे बड़ा रिजेक्शन था, मगर मैंने उस आलोचना को कंस्ट्रक्टिवली लिया। मैंने आलोचनाओं को छननी की तरह लिया, जो मेरे हित में था, उसे अपनाया और जो नहीं था, उसे बहा दिया। मैंने लगातार अपनी गलतियों और कमियों से सीखा। मैंने कोशिश की कि किसी खांचे या फॉर्मूला में न अटकूं।'

जिंदगी से जुड़े विवादों की इतनी आदी हो चुकी हूं

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे 'बिग बॉस 20' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि रियलिटी शो उनके स्टारडम को बढ़ाने से ज्यादा उनके द्वारा निभाए गए किरदारों के पीछे छिपे असली इंसान को दिखाने का मौका देगा। दरअसल, अभिनेत्री ने शो के अंदर जाने से पहले आईएएनएस के साथ बातचीत की। इसमें उन्होंने कहा कि उन्होंने जीवन में एक ही बार विवादों का सामना किया है। अगर शो के कंटेस्टेंट इस पर कोई टिप्पणी करते हैं, तो उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बिग बॉस मुझे अपने दर्शकों को अपना असली रूप दिखाने का मौका देगा, जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। मैंने हमेशा कुछ ऐसे रोल और किरदार निभाए हैं, जो लिखे हुए होते थे। इस बार सब कुछ असली होगा और यही वजह है कि 'बिग बॉस' है।'

9 साल से लापता बच्चे की तलाश में भटकेगी परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा की वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' रिलीज के लिए तैयार है। सोमवार को मेकर्स ने सीरीज का पहला लुक और रिलीज डेट की घोषणा की है। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर सीरीज का पोस्ट शेयर कर लिखा, 'शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है।' रिलीज डेट सामने आने के बाद फैंस और फिल्म से जुड़े कलाकार काफी उत्साहित नजर आए। अभिनेत्री जेनिफर विंगट समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर उत्सुकता जाहिर की। परिणीति इसमें एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो अपने खोए हुए बच्चे को ढूंढ रही है। इस सीरीज में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास भी नजर आएंगे। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज को रेंसिल डी 'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने बनाया है और रेंसिल डी 'सिल्वा ने ही इसे डायरेक्ट किया है। शो में भरोसे और शक, दिल की सुनने और सच्चाई, प्यार और जुनून के बीच की बारीक लकीर को दिखाया गया है। यह प्रोजेक्ट परिणीति चोपड़ा का ओटीटी और वेब सीरीज की दुनिया में डेब्यू है। इसकी कहानी एक ऐसी मां के इर्द–गिर्द घूमती है जो अपने खोए हुए बच्चे की तलाश करती है और धीरे–धीरे अपनों के ही गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती है।
डायरेक्टर और को–क्रिएटर रेंसिल डी 'सिल्वा ने 'शक: ट्रस्ट नो वन' को एक थ्रिलर है, जो अनिश्चितता पर बनी है। उन्होंने कहा, 'हर खुलासे के साथ एक नया सवाल खड़ा होता है और हर रिश्ते की एक और परत सामने आती है। मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने अपनी ओर आकर्षित किया कि हम एक मां की इमोशनल जर्नी के जरिए एक सस्पेंस भरी कहानी को पर्दे पर ला रहे हैं, जो नौ साल से हार मानने को तैयार नहीं है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मुझे नेटफ्लिक्स के साथ इस बोल्ड, इमोशनल और कई परतों वाली कहानी पर काम करने का मौका मिला।'

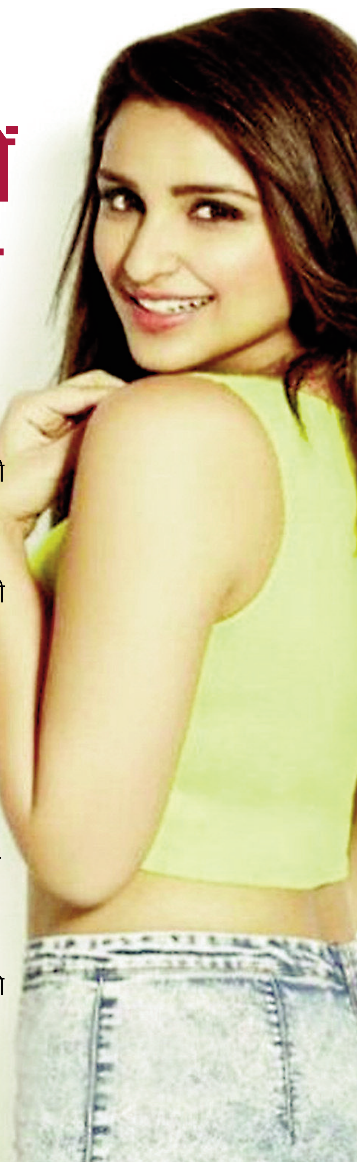

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।